दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस समाज में दिखावे की आवाज़ सच से ऊँची हो जाती है, वहाँ इंसान धीरे-धीरे रिश्तों से नहीं, बल्कि अपने ही विवेक से दूर होने लगता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-205 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 18 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'भाषणों में विश्वगुरु, जमीन पर आर्थिक मजबूरी : क्या हमारी विदेश नीति और आर्थिक प्रबंधन सवालों के घेरे में हैं? '

भारत आज वैश्विक मंचों पर स्वयं को एक उभरती हुई महाशक्ति और 'विश्वगुरु' के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत की विदेश नीति की सफलता के दावे किए जाते हैं, लेकिन दूसरी ओर जब यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे क्षेत्रीय संघर्ष का असर भारत की आम जनता की रसोई, जेब और जीवनशैली पर सीधा दिखाई देने लगे, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी आर्थिक और विदेश नीति वास्तव में उतनी मजबूत है, जितना उसका प्रचार किया जाता है? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अस्थिरता, रसोई गैस के बढ़ते दाम, खाद्य पदार्थों की महंगाई और डॉलर के मुकाबले रुपये की लगातार कमजोर होती स्थिति ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि सरकार स्वयं जनता से अपील कर रही है कि लोग सोना कम खरीदें, विदेश यात्राएं टालें, ईंधन की खपत घटाएं और पारंपरिक चूल्हों का उपयोग करें। यह संदेश कहीं न कहीं इस बात की ओर संकेत करता है कि आर्थिक दबाव सरकार के स्तर पर गंभीर रूप से महसूस किया जा रहा है।

यह सवाल भी जनता के मन में उठता है कि यदि देश की विदेश नीति इतनी प्रभावशाली है, तो भारत की मुद्रा लगातार कमजोर क्यों हो रही है? डॉलर के मुकाबले रुपये का गिरना केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि देश की आर्थिक क्षमता और वैश्विक विश्वास का दर्पण भी होता है। जब भारत से छोटे और कमजोर देशों की मुद्राएं भी अपेक्षाकृत स्थिर दिखाई देती हैं, तब आम नागरिक का चिंतित होना स्वाभाविक है। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो एक और विडंबना सामने आती है। चुनावों के दौरान महंगाई नियंत्रित दिखाई देती है, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहते हैं और जनता को राहत का वातावरण महसूस कराया जाता है। लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त होते हैं, आर्थिक संकट और महंगाई की चर्चा तेज हो जाती है। इससे आमजन के मन में यह धारणा बनने लगती है कि आर्थिक नीतियों का संचालन दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की बजाय राजनीतिक सुविधाओं के आधार पर हो रहा है।कोरोना काल का उदाहरण भी जनता के मन में कई सवाल छोड़ गया। जब देश महामारी और लॉकडाउन जैसी त्रासदी से गुजर रहा था, उससे पहले बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और राजनीतिक कार्यक्रमों पर भारी खर्च किए गए। 'नमस्ते ट्रंप' जैसे आयोजनों में करोड़ों रुपये खर्च हुए। आज जब आर्थिक संकट की बात हो रही है, तब जनता यह पूछने का अधिकार रखती है कि क्या उस समय राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग अधिक विवेकपूर्ण ढंग से नहीं किया जा सकता था? विदेश यात्राओं और अंतरराष्ट्रीय छवि निर्माण की राजनीति भी अब जनता की आलोचना के घेरे में है। जनता यह देख रही है कि जब देश में बेरोजगारी, महंगाई, पंचायत चुनावों में देरी, ग्रामीण अव्यवस्था और स्थानीय प्रशासनिक संकट गहराते जा रहे हैं, तब सत्ता का बड़ा हिस्सा प्रचार और विदेश यात्राओं में अधिक व्यस्त दिखाई देता है। लोकतंत्र केवल भाषणों और नारों से नहीं चलता, बल्कि जमीनी व्यवस्था की मजबूती से चलता है। ग्रामीण भारत की स्थिति इस समय सबसे अधिक चिंताजनक दिखाई देती है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पंचायत चुनाव समय पर नहीं हो पाने से गांवों की लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। चुनी हुई ग्राम सरकारों के अभाव में प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही कम हुई है और नौकरशाही का प्रभाव बढ़ा है। गांवों की गलियों में गंदगी, पानी की समस्या, विकास कार्यों की धीमी गति और आमजन की परेशानियां यह संकेत देती हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत–स्थानीय स्वशासन–कमजोर हो रहा है।

हमारा एजुकेशन सिस्टम बच्चों को टेंशन देता है : राहुल गांधी

5 प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर 5 लाख करोड़ खर्च होता है, इतना 5 मंत्रालयों का बजट

भीम प्रज्ञा न्यूज

कोटा । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान में बुधवार को स्टूडेंट्स से संवाद किया। कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' में राहुल ने कहा- ये कार्यक्रम कोई राजनीति का कार्यक्रम नहीं है, ये युवाओं, छात्रों की आवाज उठाने का मंच है। आज सिर्फ स्टूडेंट्स और युवाओं की बात होगी। राहुल गांधी ने कहा- हिंदुस्तान का एजुकेशन सिस्टम अपने बच्चों को प्रेशराइज (दबाव में) करता है। यह उन्हें स्ट्रेस (तनाव) देता है। मैं चाहता हूं कि हम सब मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ें, ताकि आगे से किसी भी बच्चे को ऐसा (आत्महत्या जैसा) आत्मघाती कदम न उठाना पड़े।

राहुल गांधी ने कहा-पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आपके परिवारों की जेब से उतना पैसा छीन लिया जाता है जितना पांच मंत्रालयों का बजट है। नीट, जेईई सहित 5 परीक्षाओं की तैयारी पर परिवारों की जेब से 5 लाख करोड़ चले जाते हैं।

राहुल गांधी की 4 बड़ी बातें....

1. **जेब खाली करने वाला सिस्टमः** राहुल गांधी ने कहा- देश का एजुकेशन सिस्टम पढ़ाई, परीक्षा और रोजगार के नाम पर सिर्फ स्टूडेंट्स और उनके परिवारों की जेब से पैसा खींचने का काम कर रहा है।
2. **थोपे जाते हैं करियर विकल्पः** राहुल ने स्टूडेंट्स से पूछा कि वे आईआईटी, मेडिकल, एसएससी या यूपीएससी ही क्यों चुनना चाहते हैं? इस पर छात्रों ने कहा कि बचपन से उन्हें यही बोला जाता है। अगर उन्हें मन की करने दी जाए, तो कोई डांसर तो कोई पायलट बनना चाहता है।
3. **युवाओं के पास सिर्फ 5 ही ऑप्शन क्योंः** राहुल गांधी ने कहा-देश के युवाओं के पास एजुकेशन में सिर्फ पांच ही ऑप्शन क्यों हैं? हर कोई डॉक्टर या इंजीनियर ही क्यों बनना चाहता है, जबकि और भी कई करियर ऑप्शंस मौजूद हैं। उन्होंने एक छात्रा का सुसाइड नोट दिखाया और कहा- यह आकांक्षा का फेल्योर नहीं है, बल्कि यह हमारे एजुकेशन सिस्टम का फेल्योर है।
4. **मनपसंद स्ट्रीम चुनने की हो आजादीः** राहुल ने कहा- एजुकेशन सिस्टम ऐसा होना चाहिए जहां बच्चे और युवा अपने मन की चीज कर सकें, अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकें और उसकी तैयारी में लाखों रुपये का भारी-भरकम खर्च न हो।

राहुल गांधी ने कहा- यह सिर्फ पैसे वसूलने का सिस्टम है

राहुल गांधी ने कहा- यह सिस्टम सिर्फ पैसे वसूलने का सिस्टम बन चुका है। एक हजार लोगों में से केवल 12 को रोजगार मिलता है, बाकी लोग क्या करेंगे? कोई कुली बनेगा, तो कोई ओला-उबर चलाएगा। हिंदुस्तान में आज 100 में से 80 इंजीनियर बेरोजगार हैं।

आज मैं हिंदुस्तान के भविष्य की बात कर रहा हूं। हमें इस सिस्टम को बदलना और ठीक करना होगा। एजुकेशन सिस्टम वह होता है जिसमें आप बड़े से बड़ा सपना देख सको और उसे कम खर्च पर पूरा कर सको।

खेतड़ी उप जिला अस्पताल में ट्रोमा सेंटर के पद स्वीकृत

16 नए पद सृजित, आमजन को मिलेगी बेहतर सुविधा

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने खेतड़ी उप जिला अस्पताल में प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर के संचालन के लिए विभिन्न पदों को स्वीकृति दे दी है। इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं बेहतर ढंग से मिल सकेंगी, जिससे गंभीर दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध होगा।

ट्रोमा सेंटर के लिए 16 नए पद सृजित

राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ट्रॉमा सेंटर के लिए कुल 16 नए पद सृजित किए गए हैं। इनमें एक कनिष्ठ विशेष सर्जरी, दो चिकित्सा अधिकारी (स्नातकोत्तर सर्जरी), तीन चिकित्सा अधिकारी (स्नातकोत्तर हड्डी) और दस नर्सिंग अधिकारी शामिल हैं। इन नियुक्तियों से ट्रॉमा सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

जरूरी उपकरण की खरीद के लिए बजट स्वीकृत

बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव ने बताया कि राज्य सरकार ने ट्रॉमा सेंटर के भवन निर्माण और आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए भी बजट स्वीकृत किया है। इससे आधुनिक सुविधाओं से युक्त ट्रॉमा सेंटर विकसित किया जा सकेगा। वर्तमान में गंभीर रूप से घायल मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर करना पड़ता है, लेकिन ट्रॉमा सेंटर शुरू होने के बाद कई मामलों का उपचार स्थानीय स्तर पर ही संभव हो पाएगा। क्षेत्र के लोग लंबे समय से खेतड़ी में ट्रॉमा सेंटर की मांग कर रहे थे। पदों की स्वीकृति मिलने से आमजन में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों और अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता मिलेगी, जिससे जीवन बचाने में मदद मिलेगी।

जसरापुर जीएसएस का ट्रांसफार्मर जला, 28 घंटे से बिजली ठप

पांच फीडरों में आपूर्ति बाधित, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर बहाली की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज

जसरापुर (खेतड़ी) । जसरापुर जीएसएस पर लगा 3.15 एमवीए क्षमता का मुख्य विद्युत ट्रांसफार्मर जल जाने से जसरापुर सहित पांच फीडरों की बिजली आपूर्ति पिछले 28 घंटों से ठप पड़ी है। भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण जसरापुर, पावटा, श्यामपुरा, रामा की ढाणी, छाबड़िया वाला तथा माताजी की ढाणी क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। लगातार बिजली गुल रहने से घरों में पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं। भीषण गर्मी के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है, जिससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष परेशानी हो रही है।

पानी की समस्या गहराई

पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित होने से पानी की समस्या गहरा गई है, वहीं किसानों के सिंचाई कार्य भी रुक गए हैं। ई-मित्र संचालक राजेश जलन्द्रा ने बताया कि बिजली नहीं होने के कारण ई-मित्र केंद्रों पर विभिन्न सरकारी योजनाओं, प्रमाण पत्रों एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े कार्य ठप पड़े हैं, जिससे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। मोबाइल चार्जिंग और इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

पंचायती राज कर्मचारी 19 को करेंगे सद्बुद्धि यज्ञ:जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन का निर्णय

बैठक में कर्मचारियों को मांगो की जानकारी दी

भीम प्रज्ञा न्यूज

उदयपुरवाटी । पंचायती राज मंत्रालय कर्मचारी संगठन ने अपनी मांगों को लेकर 19 तारीख को जिला मुख्यालय पर सद्बुद्धि यज्ञ करने का निर्णय लिया है। यह फैसला बुधवार को उदयपुरवाटी पंचायत समिति सभागार में आयोजित संगठन की जिला स्तरीय बैठक में लिया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष प्रमोद चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित सद्बुद्धि यज्ञ के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। कर्मचारियों ने अपने आंदोलन के तहत इस कार्यक्रम को करने का निश्चय किया है।

उदयपुरवाटी ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र सिंह फौजी ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के बारे में जानकारी दी। जिला परिषद से आए ओमप्रकाश झाझड़िया, सुरेंद्र वर्मा और अनिल सिहाग ने कर्मचारियों के सर्विस रिकॉर्ड से संबंधित समस्याओं के समाधान पर बात की। पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश बराला ने संगठन के मांग पत्र पर विस्तृत चर्चा की।

ये रहे मौजूद

बैठक में ब्लॉक महामंत्री अशोक रेगर, जिला उपाध्यक्ष जयसिंह आलडिया, ब्लॉक उपाध्यक्ष अनिल महला, पूर्णमल जाट, सुभिता, सजना, इंद्रा सहित रामस्वरूप चौहान, मुकेश कुमार सैनी, अभिषेक, कमलेश ओला, छोटू राम मीणा, कुलदीप सिंह, पुरुषोत्तम स्वामी, सुनीता, रेनू आलडिया, सोनिया भारती, ज्योति, किशोरी लाल जांगिड़, रामवतार जांगिड़, तिलक राज और महेश चंद्र जैसे कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

नकली बीज घोटाले पर कृषि मंत्री से इस्तीफे की मांग, किसान महासभा चलाएगी जनजागरण अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अखिल भारतीय किसान महासभा की जिला कमेटी की बैठक बुधवार को चिड़ावा स्थित कार्यालय में जिला अध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश झारोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत राज्य उपाध्यक्ष कामरेड रामस्वरूप मणकश एवं भगवान सिंह कोडाण के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड फूलचंद ढेवा ने केंद्र सरकार की भारत-अमेरिका ट्रेड डील और राज्य सरकार की कृषि नीतियों की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि मंत्री की शह पर विभाग के उच्च अधिकारी करोड़ों रुपये के नकली बीज घोटाले में संलिप्त पाए गए हैं और मामले में कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से इस्तीफे की मांग की। राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि ने कहा कि खेती और किसानों को कॉर्पोरेट लूट से बचाने के लिए गांव-गांव में किसान समितियों का गठन किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 20 जून से 20 जुलाई तक जिलेभर में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। 20 जून से 4 जुलाई तक जनसंपर्क और पर्चा वितरण किया जाएगा, जबकि 5 जुलाई से 20 जुलाई तक पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा की शुरुआत चरणसिंह नगर से होगी और खेतड़ी, चिड़ावा, सिंघाना तथा बुहाना क्षेत्र से होते हुए 20 जुलाई को संपन्न होगी। दूसरे चरण में सूरजगढ़, पिलानी, चिड़ावा और झुंझुनूं प्रखंडों में भी पदयात्रा अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इनमें भारत-अमेरिका कृषि डील को रद्द करने, एमएसपी की कानूनी गारंटी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार लागत का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य, नकली बीज घोटाले की न्यायिक जांच, यमुना नहर का पानी शीघ्र लाने, स्मार्ट मीटर योजना बंद करने, सड़क एवं बिजली परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने तथा मंदिर माफी भूमि पर खातेदारी अधिकार देने जैसी मांगें शामिल हैं। बैठक को जिला उपाध्यक्ष कामरेड इंद्राज सिंह चारावास, चिड़ावा प्रखंड सचिव रामोतार शर्मा, सिंघाना प्रखंड अध्यक्ष विद्याधर गर्सा, सूरजगढ़ प्रखंड अध्यक्ष जयपाल सिंह बसेरा, रोतास काजला, प्रेम सिंह नेहरा, मनफूल सिंह, शीशराम गोठवाल, वीरभान, रत्तीराम राव तथा पिलानी प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र सिंह कुलहरि सहित अनेक पदाधिकारियों ने संबोधित किया। महासभा ने जिलेभर में 10 हजार सदस्य बनाने और ग्राम स्तर पर समितियों के गठन का भी लक्ष्य निर्धारित किया है।

पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष शर्मा के बड़े भाई नगेन्द्र शर्मा का निधन, 19 जून को श्रद्धांजलि सभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा

चिड़ावा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सुभाष शर्मा के बड़े भाई नगेन्द्र शर्मा (71) का 11 जून को मुंबई के अंधेरी क्षेत्र में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से चिड़ावा सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय नगेन्द्र शर्मा अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 19 जून को श्रद्धांजलि सभा (शोक बैठक) का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सूरजगढ़ रोड स्थित मधुसूदन फार्म हाउस में शाम 4 बजे से 6 बजे तक आयोजित होगा। श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी तथा शुभचिंतक उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करेंगे।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ‘भारत का मिनी इज़राइल’ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

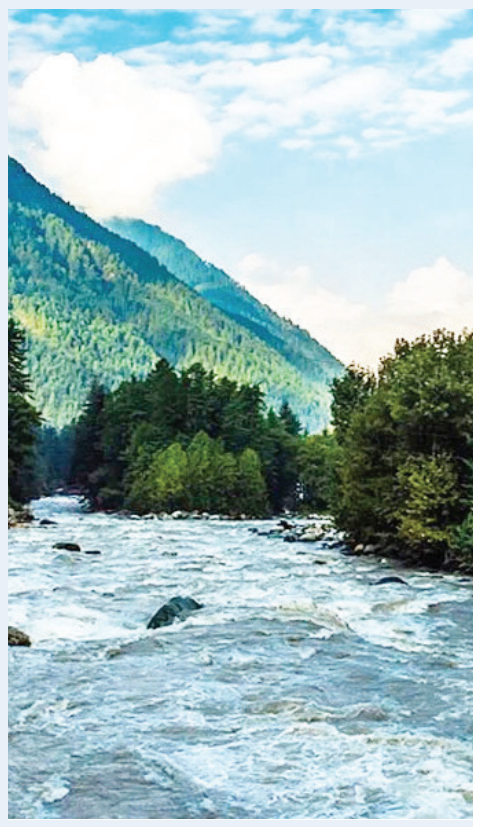

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।
सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।
रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।
सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

कर्मचारी महासंघ की ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला आयोजित, सरकार की नीतियों का किया विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के तत्वावधान में बुधवार को संगठन की एक दिवसीय कार्यशाला ब्लॉक अध्यक्ष महबूब अली ने की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा व महासंघ के जिलाध्यक्ष पोखर मल बुरड़क थे। उपस्थित कर्मचारियों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान सरकार कर्मचारी विरोधी नीतियां बना रही है। आज हर वर्ग के कर्मचारी के सामने अपनी नौकरी खोने का भय बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों को मिली सुविधाओं और उनकी सामाजिक सुरक्षा को छीनना चाहती है, जिसका संगठन पुरजोर विरोध करेगा।कार्यशाला में महासंघ के जिलाध्यक्ष पोखर मल बुरड़क, जिला मंत्री भागूराम गुर्जर, ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष भागीरथ सारण, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद पुनियां, अतिरिक्त विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष रवि कुमार, शिक्षक संघ से दानसिंह बिरड़ा, सुभाष ढाका, जिला महिला विंग अध्यक्ष संतोष ढाका, आरएनए से रामलाल महला ने भी अपने विचार रखे और कर्मचारियों की मांगों को प्रमुखता से उठाया। कार्यशाला मे महासंघ के ब्लॉक मंत्री रिछपाल खीचड़, शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री मनोज महला, सेवानिवृत शिक्षक संघ से प्रेमसिंह डोटासरा, देवीसिंह मूंड, राजेंद्र नैन, वीडीओ संघ के अध्यक्ष धर्मपाल, मंत्री सोनू बुडानिया, केसराराम, राजेंद्र, प्रधानाचार्य सुरेश कुमार, राजपाल, भंवर सिंह, कानूनगो संघ से रघुनाथ

महला, एडीओ संघ से हरिराम कुमावत, कृषि संघ स्नातक से राजेश घायल, सीताराम धायल, पटवार संघ से प्रदीप, मुकेश, प्रबोधक संघ से सुशील सैनी, रमजान अली, संविदा संघ से कमल शर्मा, कमलेश तंवर, विकास माहिच संस्कृत शिक्षा से शंकर मील, पीएईचडी से लक्ष्मीकांत लसाडिया तथा एएनएम एसोसिएशन से अर्चना, राज नर्सेज एसोसिएशन से परमेश्वर बैनीवाल महेंद्र फगेड़िया, सुनीता कुमारी, मंजू नेहरा,आयुर्वेद संघ से गौरव शर्मा, महिला शिक्षक सजना, प्रतिभा, मंजुलता, ममता, सुमित्रा, निर्मला रुहेला, सुलोचना एवं शिक्षक सुरेंद्र पुनिया, संदीप जांगिड़, बिहारीलाल, राजेंद्र सिंह बारहठ,मनोज पांडे, श्रीचंद ढाका, हरदयाल सिंह, हनुमान शर्मा, दिनेश बगड़िया सहित विभिन्न संगठनों के प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने भविष्य में कर्मचारी हितों हेतु अपनी एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन रामावतार फगेडिया ने किया।

सिकंदर क्रिकेट क्लब बना चैंपियन, फाइनल में मंडावा बर्ड्स को हराकर जीती ट्रॉफी

आनंदपुरा टीम द्वारा आयोजित अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक समापन, खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल देकर किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । वार्ड नंबर 1 स्थित आनंदपुरा टीम के तत्वावधान में आयोजित अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुआ। फाइनल मैच में सिकंदर क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडावा बर्ड्स को हराकर टूर्नामेंट की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए मंडावा बर्ड्स की टीम सिकंदर क्रिकेट क्लब की सटीक और घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी। 10 ओवर के मुकाबले में टीम मात्र 25 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। 26 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिकंदर क्रिकेट क्लब की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए केवल 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले के हीरो सिकंदर क्रिकेट क्लब के ऑलराउंडर रिंकू रहे। उन्होंने पहले गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट हासिल किए और बाद में बल्लेबाजी में 10 रन बनाकर टीम

की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच तथा पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, भाजपा नेता विधाधर सैनी, राजकुमार चौपदार, विमल कुमार सैनी, प्यारेलाल फड़ोलिया, नागरमल चौपदार एवं सुनील चौपदार सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी और ग्रामीण मौजूद रहे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर आयोजन को सफल बनाया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर खेल प्रेमियों ने आयोजक आनंदपुरा टीम की सराहना की।

लोक सेवा मंच के पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

महाराणा प्रताप की वीरता को भुलाया नहीं जा सकता: अशोक प्रधान

'महापुरुषों और देश भक्तों के बलबूते देश आगे बढ़ेगा'

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी

महाराणा प्रताप जयंती के सिलसिले में राष्ट्रीय सामाजिक संगठन लोक सेवा मंच के पदाधिकारियों सहित अनेक लोगों ने स्थानीय महाराणा प्रताप चौक पहुंचकर वीर महापुरुष महाराणा प्रताप को याद करते हुए पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपने संबोधन में राष्ट्रीय प्रगतिशील विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान लोक सेवा मंच ने कहा कि देशभक्तों और वीरों की बदौलत हमारा देश आजाद हुआ और निरंतर प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस समाज-राष्ट्र में महापुरुषों का सम्मान होता है उसकी बुनियाद बहुत मजबूत होती है। वीर महाराणा प्रताप ऐसे ही महापुरुष थे जिन्होंने स्वयं कठिन संघर्ष झेलकर भी कतई गुलामी स्वीकार नहीं की।

उन्होंने कहा कि महापुरुष पूरे समाज के प्रेरणा स्रोत और पूजनीय होते हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के संकुचित नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। लोक सेवा मंच महापुरुषों एवं बड़े- बुजुर्गों को पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए जनहितकारी मुद्दों की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर मंच की कोर कमेटी के सदस्य महेश कौशिक, बीके राम सिंह, नंदलाल यादव, मुकेश कुमार, दयाराम यादव, सुभाष खुराना एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अन्य अनेक लोग उपस्थित थे।

विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस पर वृक्षारोपण, जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत पंचायत समिति बुहाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुल्ताना अहिरान में मंगलवार को विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा रोकथाम दिवस के अवसर पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मरुस्थलीकरण एवं सूखे की समस्या से निपटने के लिए वृक्षारोपण तथा वर्षा जल संचयन के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत योजना के अंतर्गत निर्मित मंढीवाली जोहड़ी में चारागाह विकास एवं उद्यानिकी कार्य स्थल पर पौधारोपण से हुई। जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से नीम और बरगद के पांच पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निर्मित चार निजी कुण्डों एवं एक फार्म पॉण्ड का लोकार्पण भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण और वृक्षारोपण ही सूखे एवं मरुस्थलीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने का प्रभावी

माध्यम हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता दिनेश कुमार, अधीक्षण अभियंता (वाटरशेड) मनोज कुमार गौड़, ग्राम पंचायत सुल्ताना अहिरान के प्रशासक कर्मवीर सिंह, कनिष्ठ अभियंता विकास महला, अनिल कुमार, रवि कुमार, सत्यनारायण यादव, महेश, राहुल, सुनील, तुलाराम, रणजीत सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

एवीवीएनएल में बड़ा प्रमोशन, झुंझुनूं को मिले नए अधिशासी अभियंता

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) ने विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की अनुशंसा पर सहायक अभियंता कृष्ण कुमार डागला को अधिशासी अभियंता (ई एंड एम) पद पर पदोन्नत किया है। निगम सचिवालय, अजमेर द्वारा 16 जून 2026 को जारी आदेश के अनुसार डागला को वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर वर्ष 2023-24 की रिक्तियों के विरुद्ध पदोन्नति प्रदान की गई है। वर्तमान में वे अधीक्षण अभियंता (एम एंड पी) कार्यालय, अजमेर में कार्यरत थे। पदोन्नति के बाद उनकी नियुक्ति अधिशासी अभियंता (सीवी), एवीवीएनएल झुंझुनूं के पद पर की गई है। आदेश में बताया गया है कि पदोन्नत अधिकारी को 15 दिनों के भीतर नए पद पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। कृष्ण कुमार डागला की पदोन्नति को उनकी लंबे समय की सेवाओं और कार्यकुशलता का सम्मान माना जा रहा है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए झुंझुनूं में उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती श्रद्धा से मनाई गई, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को किया याद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती मंगलवार को नगर कांग्रेस कार्यालय, नीमराना में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके त्याग, वीरता और मातृभूमि के प्रति समर्पण को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी द्वारा महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मेवाड़ केसरी को श्रद्धांजलि दी। माहौल देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, अदम्य साहस और आत्मसम्मान का अमर प्रतीक है। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए हर कठिनाई का सामना किया और विदेशी आक्रमणकारियों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। वक्ताओं ने युवाओं से अपील की कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश सेवा और समाज सेवा में आगे आए। जयंती समारोह में ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष

संजय कुमार यादव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, जिला महासचिव राजकुमार, नगर सचिव जितेंद्र गुर्जर, देवेंद्र सिंह, जोगेंद्र बाबूजी, देवेंद्र कुमार, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, प्रवीण कुमार यादव, देवेंद्र कुमार शर्मा, नरेश फौजी, ईश्वर कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने महाराणा प्रताप के बताए मार्ग पर चलकर समाज में एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना बढ़ाने का संकल्प लिया।

अक्षय लाल सैनी सेना में लेफ्टिनेंट बने: ग्रामीणों ने सम्मान किया, सरपंच बोले- क्षेत्र का नाम रोशन किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना पंचायत समिति के बाग की ढाणी के अक्षय लाल सैनी का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर ग्रामीणों ने एक सम्मान समारोह आयोजित किया। सरपंच विकास सैनी ने बताया कि अक्षय लाल ने सिपाही से लेफ्टिनेंट बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनके घर लौटने पर युवाओं ने बुहाना मोड़ से गांव तक डीजे के साथ एक रैली निकाली। सरपंच विकास सैनी ने बताया- गांव की मिट्टी में देश सेवा का जज्बा रचा-बसा है। चयनित युवाओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता में गांव के पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ये पूर्व सैनिक सेवानिवृत्ति के बाद भी युवाओं को सेना भर्ती की तैयारी के लिए शारीरिक एवं मानसिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। वे नियमित रूप से खेल मैदान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं और उनमें राष्ट्रसेवा की भावना विकसित कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि गांव के युवा लगातार भारतीय सेना

और विभिन्न सुरक्षा बलों में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व सरपंच सविता देवी, श्रवण कुमार, विकास कुमार सैनी, जीवनराम, नागरमल सैनी, महावीरप्रसाद, दिलीप सैनी, जगदीश सैनी, महेश यादव, प्रमोद, ललित, जयसिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

स्कूल में चोरी मामले में एक और सह आरोपी काबू

थाना सदर टोहाना पुलिस की कार्रवाई, मामले में पहले ही दो आरोपी काबू किए जा चुके हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना सदर टोहाना पुलिस ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला अकांवाली में हुई चोरी के मामले में एक अन्य सह आरोपी राज नगर टोहाना निवासी कर्ण पुत्र देशराज को काबू किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि अकांवाली स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला की मुख्य अध्यापिका राज नगर टोहाना निवासी अनिता रानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 19 दिसंबर 2025 को स्कूल बंद करने के बाद अज्ञात चोर स्कूल के पांच कमरों के ताले तोड़कर बैटरियां, सोलर सिस्टम की बैटरियां, पानी की मोटर, प्रेशर कुकर, साउंड सिस्टम, दरियां, एक्सटेंशन बोर्ड सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 251 दिनांक 24.12.2025 के तहत धारा 305 एवं 331(4) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच के दौरान सह आरोपी राज नगर टोहाना निवासी कर्ण पुत्र देशराज की संलिप्तता सामने आने पर उसे काबू किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले इसी मामले में दो आरोपियों को काबू किया जा चुका है। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

टोहाना शहर थाना पुलिस की कार्रवाई, गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी से हेरोइन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने जमालपुर निवासी इकबाल पुत्र पालाराम को 7.01 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जमालपुर निवासी इकबाल रतिया रोड स्थित नए बाईपास टी-प्वाइंट क्षेत्र में हेरोइन बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया।उन्होंने बताया कि नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 7.01 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। बरामद हेरोइन को कब्जा पुलिस में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। इस संबंध में थाना शहर - थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई, गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी से हेरोइन बरामद।

ब्रह्म चैतन्य संस्थान चिड़ावा की नई कार्यकारिणी घोषित

उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, सचिव सुरेश कुमार शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

ब्रह्म चैतन्य संस्थान, चिड़ावा के निर्विरोध बनें अध्यक्ष मोती लाल लाटा ने बुधवार को एक भव्य समारोह के दौरान अपनी नई ऊर्जावान टीम का गठन किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ भगवान परशुराम जी के तस्वीर के समक्ष माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और प्रसाद भोग लगाकर किया गया। समारोह के आरंभ में संस्थान की परंपरा को निभाते हुए नवनियुक्त अध्यक्ष मोती लाल लाटा ने पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इसके पश्चात, अध्यक्ष लाटा की अनुमति से संस्थान के सचिव सुरेश कुमार शर्मा ने नई कार्यकारिणी और उप-समितियों की आधिकारिक घोषणा की और शपथ दिलाई। संस्थान को मजबूती देने के लिए अनुभवी सदस्य जिसमें अध्यक्ष मोती लाल लाटा, उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, महासचिव सुरेश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष रवि शर्मा पचेरीवाला, मीडिया प्रभारी रजनीकांत मिश्रा, कर सलाहकार सीएस सुनील शर्मा, कानूनी सलाहकार एडवोकेट लोकेश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य: शिम्भू दयाल पुजारी, शुभ राम शर्मा, प्रमोद शर्मा ओजटूवाला, दीपक कौशिक, विश्वास अरड़ावतिया, डॉ. अवतार कृष्ण शर्मा और अनिल जोशी सम्मिलित हैं। संस्थान के सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक कार्यों को गति देने के लिए चार प्रमुख उप-समितियों का गठन कर उनके प्रभारियों की घोषणा की गई। संगठन समिति: प्रभारी पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, पांडित्य समिति प्रभारी हीरालाल पुजारी, निर्माण एवं रखरखाव समिति प्रभारी -रामगोपाल मिश्र, शिक्षा समिति प्रभारी कैलाश चतुर्वेदी, उप-समिति सदस्य जो समितियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सुरेंद्र कुमार वैद्य, अतुल मिश्र, मुकेश पुजारा, संदीप जोशी, धर्मेंद्र तीवाड़ी, विनोद कुमार

शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, अनिल शर्मा भारती, नवल-किशोर लाटा, संतोष अरड़ावतिया, अनिल शर्मा, राजेश नातवाल, नगेंद्र शर्मा, पवन शर्मा नवहाल, कृष्ण ढस्सा, निरंजन लाल शर्मा और सुशील कुमार दाधिच को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

इस पूरे शपथ और घोषणा कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे, जिनमें श्याम सुंदर शर्मा, प्रदीप शर्मा, संदीप शर्मा, अशोक जोशी और नरेश शर्मा प्रमुख थे। सभी उपस्थित सदस्यों ने नई टीम को बधाई देते हुए संस्थान के उज्जवल भविष्य की कामना की।

झडाया बजरंग धाम आश्रम पर 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ का शानदार आगाज शुरू

यज्ञ के दौरान ही श्री राम कथा का भी हुआ आगाज

भंडारे में हजारों श्रद्धालुओ ने की प्रसादी ग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बजरंग धाम आश्रम पर 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ का शानदार आगाज मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुआ द्य यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री ने विद्वान पंडितों के साथ यज्ञ में जोड़ों को आहुतियां दिलवाई द्य उपयज्ञाचार्य संजय शास्त्री ने

जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को पंचांग पूजन, प्रायश्चित संकल्प, मंडप प्रवेश, तत्पश्चात गणपति आदि देवताओं की पूजा अर्चना के साथ ही अरणीमंथन के साथ अग्नि की स्थापना हुई। बुधवार को यज्ञ स्थल पर राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं उदयपुरवाटी के पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने भी पूजा अर्चना की द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि रणवीर भाई शेखावाटी वालो द्वारा बुधवार को यज्ञ की शुरुआत के साथ ही श्री राम कथा का भी शानदार आगाज शुरू हुआ द्य जिसमें बुधवार को शिव पार्वती का प्रसंग श्रद्धालुओं को सुनाया गयाद्य भंडारे का भी आयोजन हुआ जिसमें दिन भर हजारों श्रद्धालुओ ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की द्य इस दौरान डॉक्टर श्री कृष्णा शर्मा, उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री, यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, जगदीश जाखड़, कैप्टन रामनिवास ताखर, सत्यनारायण अग्रवाल, महेंद्र तेतरवाल, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव, व्यवस्थापक विकास जांगिड़, मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़ सहित यज्ञ सेवा समिति के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहें

सीआई प्रदीप कुमार की द्वितीय पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण, गौशाला में गुड़-दलिया दान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

अमरसिंहपुरा निवासी स्व. सीआई प्रदीप कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद की द्वितीय पुण्यतिथि पर परिवारजनों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय प्रदीप कुमार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।इसके बाद पीलद

स्थित गौशाला में गुड़ एवं दलिया दान कर गौसेवा का संदेश दिया गया। वहीं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बिजौली तथा बिजौली-अमरसिंहपुरा खेल मैदान में ग्रामीणों और बच्चों ने मिलकर वृक्षारोपण किया। इस दौरान करीब 50 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रदीप कुमार के भाई डॉ. कपिल देव, जितेश, जयप्रकाश, राहुल, चिराग, दिवेश, मुकेश, पीटीआई विजय सिंह, रणधीर सिंह, छगन सिंह, कुलदीप सिंह राठौड़ सहित ग्राउंड संचालक मंथन और हेमंत मौजूद रहें। ग्रामीणों ने बताया कि स्वर्गीय प्रदीप कुमार की प्रथम पुण्यतिथि पर भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। इस वर्ष वृक्षारोपण और गौसेवा के माध्यम से समाज को पर्यावरण संरक्षण एवं सेवा का संदेश दिया गया।

श्री श्रद्धानाथजी का आश्रम लक्ष्मणगढ़ के पीठाधीश्वर बने युवा संत श्री प्रकाशनाथजी महाराज

पद्मश्री शिवलीन बैजनाथजी महाराज का समाधि पूजन व संतों के सानिध्य में हुई चादरपोशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । पद्मश्री से अलंकृत विलक्षण कर्मयोगी संत श्री बैजनाथ जी महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य युवा संत प्रकाशनाथ जी महाराज बुधवार को संतों के सानिध्य व हजारों सेवकों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित चादरपोशी कार्यक्रम में श्री श्रद्धानाथजी का आश्रम के पीठाधीश्वर घोषित किए गए। आयोजित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से नाथ संप्रदाय की परंपराओं के अनुरूप शंखा ढाल (समाधि पूजन) के साथ आश्रम परिसर में प्रारम्भ हुआ इसके पश्चात् बैजनाथजी महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य प्रकाशनाथजी महाराज को लक्ष्मणगढ़ के प्रबुद्धजनों, देश भर से आये साधु सन्यासियों, आश्रम ट्रस्ट एवं आश्रम के सेवकों द्वारा चादर ओढाकर औपचारिक रूप से आश्रम के पीठाधीश्वर के पद पर बैठाया गया । इस दौरान विशाल भंडारा भी आश्रम में आयोजित हुआ। आश्रम के पीठाधीश्वर बने युवा संत प्रकाशनाथजी महाराज बचपन से ही

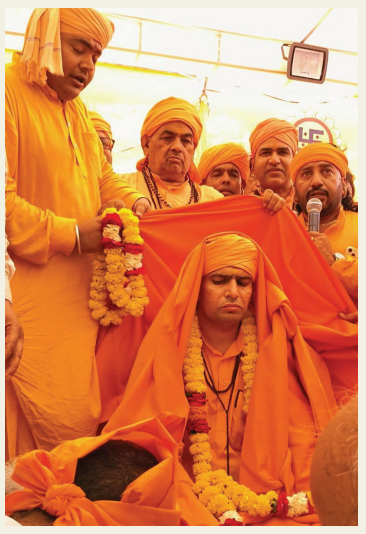

पिछले 22 वर्षों से क्रमशः आश्रम संचालन, निर्माण कार्यों एवं ट्रस्ट का संचालन करते आ रहे हैं. बैजनाथजी महाराज ने अपने जीवनकाल में ही प्रकाशनाथजी महाराज की योग्यता, क्षमता और गुरू सेवा को देखते हुए इन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था । पद्मश्री बैजनाथजी महाराज के एकादशा के अवसर पर आश्रम में रात्रि को विशाल भजन संध्या एवं रात्रि जागरण का आयोजित, जिसमें साधु संतों एवं भजन गायक देर रात्रि तक भक्ति रस के भजन प्रस्तुत किए। इस दौरान देशभर में रहने वाले महाराजश्री के शिष्य, भक्त, आश्रम के अनुयायियों सहित आसपास के क्षेत्र से करीब बीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने समाधि पर धोक लगाकर संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर मंगल कामना की । इस अवसर पर फतेहपुर के नरहरि नाथ महाराज, हरियाणा के चैतईनाथ महाराज, झुंझुनूं के ओमनाथ महाराज, जयपुर के रमणनाथ महाराज, पालवास के चन्द्रमौली दास महाराज, पलसाना के मनोहरशरण महाराज,रुकनसर के कैलाशनाथ महाराज, गुलाब नाथ महाराज, फतेहपुर के चीमा बाबा,चुवास के निश्चल नाथ महाराज, फतेहपुर के दिनेश गिरी महाराज,गाडोदा महावीर जति महाराज,भोजासर बडा के शिवराज जति महाराज, मुकुंदगढ़ के चेतननाथ महाराज, अभयनाथ महाराज, बिसाऊ के रवि नाथ महाराज, लोहार्गल के अवधेशाचार्य महाराज,लक्ष्मनगढ के दिलीप दास महाराज,स्मृति नाथ महाराज,हाथोज धाम के पीठाधीश्वर व हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज, पिपराली आश्रम के पीठाधीश्वर व सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, डीडवाना विधायक व पूर्व मंत्री युनूस खान, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी,अभिमन्यु सिंह राजवी,सीए सुनील मोर, समाजसेवी बलबीर सारण, उधोगपति महेश बागड़ी, शिक्षाविद मुरारी लाल कटेवा,आशकरण शर्मा, डॉ नगेन्द्र सिंह नाथावत, राजेंद्र ताखर, व्यवसायी पुरूषोत्तम बादूसरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़,शहर अध्यक्ष ललित पंवार, महामंत्री कमल सुरोलिया,पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी,सहित हजारों की तादाद में संत महात्मा,सेवक, शिष्य, भक्त व श्रद्धालु मौजूद थे। संचालन राजीव जोशी ने किया।

समाज प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पाली।

मेघवाल समाज छात्रावास शिक्षण संस्थान पाली संभाग स्तरीय के संस्थापक एवं उपाध्यक्ष रमेश सोलंकी नारकान के नेतृत्व में समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयसिंह तंवर से शिष्टाचार भेंट कर उनका अभिनंदन किया। प्रतिनिधिमंडल में संयोजक भलाराम परिहार, डॉ. अंबेडकर प्रगतिशील संघ के प्रदेश अध्यक्ष कन्हैयालाल परिहार, डॉ. अंबेडकर सेवा संस्थान के अध्यक्ष बस्तीमल सोनल, मेघवंशी समाज सोजत पट्टी के अध्यक्ष मांगीलाल, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ के जिला अध्यक्ष डगाराम पंवार तथा नवनीत सहित कई गणमान्यजन शामिल रहें। राजस्थानी संस्कृति और परंपरा के अनुरूप प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का साफा पहनाकर, पुष्पमालाओं से स्वागत किया तथा भारतीय संविधान की तस्वीर भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज हित, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, कानून व्यवस्था एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा की गई। वक्ताओं ने समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय को समय की आवश्यकता बताते हुए आपसी सहयोग से विकास और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने पर जोर दिया।कार्यक्रम में वजाराम, विजयराज परिहार, मदनजी पंवार, योगेंद्र पंवार एवं राहुल परिहार सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद-बीज कारोबारियों पर कृषि विभाग की सख्त नजर, मंडावर में छापेमार निरीक्षण कर 9 बीज नमूने लिए

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । खरीफ सीजन से पहले कृषि विभाग ने खाद-बीज की गुणवत्ता और किसानों के हितों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। बुधवार को सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीणा एवं सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय) दौसा सुरज्ञान सिंह गुर्जर ने मंडावर क्षेत्र की खाद-बीज दुकानों का सघन निरीक्षण कर बीज के 9 नमूने लिए तथा विक्रेताओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद-बीज वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और

खाद- बीज की दुकानों से नमूने लेते हुए कृषि विभाग के अधिकारी।

कीटनाशी समय पर तथा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराना विक्रेताओं की जिम्मेदारी है।

सहायक निदेशक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। किसानों को स्थानीय कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारी की मौजूदगी में जमाबंदी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और फसल की आवश्यकता के आधार पर उर्वरकों का वितरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग मिट्टी की उर्वरा शक्ति को कमजोर करता है तथा फसल और स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे केवल कृषि विभाग से पंजीकृत विक्रेताओं से ही खाद, बीज और कीटनाशी खरीदें तथा खरीद का बिल अवश्य लें। यदि कोई व्यक्ति बिना वैध अनुमति के टेम्पो, रिक्शा या अन्य वाहनों में खाद-बीज बेचता मिले तो उसकी सूचना तुरंत कृषि विभाग को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। खरीफ बुवाई को लेकर विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी एवं यूरिया या एनपीके उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। साथ ही हल्की बारिश के बाद कम नमी की स्थिति में जल्दबाजी में बुवाई नहीं करने और बीज उपचार के बाद ही बुवाई करने की हिदायत दी गई है। 'खेती की नींव अच्छे बीज और सही खाद पर टिकी होती है, बीज शुद्ध होगा तो खेत भी सोना उगलेगा।' खरीफ सीजन से पहले कृषि विभाग की यह कार्रवाई किसानों तक गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

उदयपुरवाटी के फिजियोथेरेपिस्ट दंपती सम्मानित: लक्ष्मणगढ़ में हुआ सम्मान, विधायक ने दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

उदयपुरवाटी । उदयपुरवाटी के फिजियोथेरेपिस्ट दंपती डॉ. राकेश कुमार सैनी और डॉ. अनीत सैनी को लक्ष्मणगढ़ स्थित यूनिवर्सिटी में सम्मानित किया गया है। उन्हें फिजियोथेरेपी क्लीनिकल एक्सीलेंस कॉन्क्लेव 2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिए ये अवार्ड प्रदान किए गए।

पिलानी के अस्पताल में कार्यरत

डॉ. राकेश कुमार सैनी को क्लीनिकल एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया, जबकि उनकी पत्नी डॉ. अनीता सैनी को विमेन लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड मिला। डॉ. राकेश सैनी शहर के वार्ड दो निवासी शिक्षाविद् जगदीश सैनी के पुत्र हैं और यह दंपत्ति वर्तमान में पिलानी के बिरला सार्वजनिक अस्पताल

में वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में कार्यरत है।

डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

कॉन्क्लेव संयोजक डॉ. अंकित जैन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित करना था। सम्मान समारोह में यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. आशुतोष भारद्वाज, प्रो. प्रेसिडेंट डॉ. अभय शर्मा, एसके मेडिकल कॉलेज सीकर के प्रिंसिपल डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. अजीत सहारण, डॉ. महेश साहू और डॉ. अंकित जैन जैसे गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिन्होंने अवार्ड प्रदान किए। डॉ. सैनी दंपत्ति पिछले 16 वर्षों से चिड़ावा, पिलानी और सूरजगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी बेहतरीन फिजियोथेरेपी सेवाएं दे रहे हैं। इस सम्मान पर विधायक भगवानाराम सैनी, शहर के पूर्व चेयरमैन रूड़मल सैनी, सुभाष सैनी, भाजपा नेता यतेंद्र सैनी, एडवोकेट मोतीलाल सैनी और संजय जांगिड़ सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई दी है।

नाला निर्माण पर उठा सवालों का सैलाब: घटिया सामग्री के आरोपों पर भड़के लोग, काम रुकवाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थौबड़ी चौराहे से अनाज मंडी तक नगर पालिका की ओर से कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर मंगलवार को लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग किए जाने और मानकों की अनदेखी के आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने निर्माणाधीन नाले पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया तथा कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग उठाई।प्रदर्शनकारी ग्रामीणो का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का गंभीर अभाव है। फर्मा हटते ही नाले की दीवारों से मसाला झड़ रहा है, कई स्थानों पर सरिए बाहर दिखाई दे रहे हैं तथा निर्माण सामग्री भी मानक स्तर की नहीं लगाई जा रही। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य इसी प्रकार चलता रहा

तो लाखों रुपए की लागत से बन रहा यह नाला पहले ही मानसून की मार नहीं झेल पाएगा।

ग्रामीणों ने मोबाइल पर महवा विधायक राजेंद्र मीणा को शिकायत कर पूरे मामले से अवगत कराया। शिकायत के बाद नगर पालिका अधिकारियों को निर्माण कार्य रुकवाने के निर्देश दिए गए, जिस पर जेईएन मिथलेश मौके पर पहुंचीं और कुछ समय के लिए कार्य बंद कराया गया। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाद में बिना किसी तकनीकी जांच के निर्माण कार्य पुनः शुरू करवा दिया गया। लोगों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि निर्माण में सामने आ रही खामियों को दूर करने के बजाय उन्हें छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच करवाई जाए और यदि अनियमितताएं पाई जाएं तो जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

सादुलपुर में दो दिन से बिजली गुल:दुकानदारों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया, बिजली विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाए

भीम प्रज्ञा न्यूज

सादुलपुर । सादुलपुर में सांगवान मार्केट, महला मार्केट और बस स्टैंड एरिया में पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित है। इसके विरोध में बुधवार सुबह दुकानदारों ने सांकेतिक चक्का जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। दुकानदारों ने बिजली विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाए। दुकानदारों ने बताया- खराब मौसम और बिजली विभाग की कथित अनदेखी के कारण सांगवान मार्केट के सामने, महला मार्केट, मारवाड़ प्रिंटिंग प्रेस और बस स्टैंड एरिया की दुकानों में मंगलवार सुबह से बिजली नहीं है। दूसरे दिन भी विभाग के अधिकारियों ने आपूर्ति बहाल नहीं की, जिससे उन्हें भारी परेशानी हो रही है।

आंदोलन की चेतावनी दी

दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि यदि विभाग ने जल्द ही इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि

इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

ये रहे मौजूद

एसएफआई के कर्मवीर लाखलाण के साथ सलाउद्दीन लुहार, राजेश योगी, विजय, रमेश, सुरेन्द्र मारवाड़, संदीप, बलवान महला, सुरेश वर्मा, पवन सैन, मनीष और राजपाल सहित कई दुकानदार इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

टोहाना शहर थाना पुलिस की कार्रवाई, गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी से हेरोइन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने जमालपुर निवासी इकबाल पुत्र पालाराम को 7.01 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जमालपुर निवासी इकबाल रतिया रोड स्थित नए बाईपास टी-प्वाइंट क्षेत्र में हेरोइन बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया।उन्होंने बताया कि नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 7.01 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। बरामद हेरोइन को कब्जा पुलिस में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 177 दिनांक 16.06.2026 के तहत धारा 21(बी), 61 एवं 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है तथा मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

टोहाना के पूर्व विधायक चौधरी हनुमान विश्नोई के पुत्र मनोज विश्नोई को ईश्वर दोस्ती ने जन्मदिन पर दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के पूर्व विधायक चौधरी हनुमान विश्नोई के पुत्र मनोज विश्नोई ने गांव पिरथला में पौधे रोपण कर अपना जन्मदिन मनाया। विश्नोई समाज सभा के प्रधान बलदेव लोमरोड़, वरिष्ठ एडवोकेट कृष्ण गोदारा, एडवोकेट विष्णु गोदारा,जीव रक्षा समिति के प्रधान ईश्वर बोस्ती,बोस्ती गांव के एक मात्र नम्बरदार जयप्रकाश जांगड़ा, समाज सेवी जगदीश दहिया, डॉ दलबीर सिंह विश्नोई व हल्के के गणमान्य नागरिकों ने भाजपा

नेता मनोज विश्नोई को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। अपने बधाई संदेश को प्राप्त करने के बाद उपस्थित जन समूह को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता मनोज हनुमान विश्नोई ने कहा कि पेड़ हमारे लिए जीवन है, पेड़ बचाओ अभियान घर घर तक पहुंचाने के लिए हमें आगे आना चाहिए।इस अवसर पर ईश्वर बोस्ती व जेपी नम्बरदार ने पर्यावरण संरक्षण पर बल देने की सलाह दी। विश्नोई समाज टोहाना के प्रधान बलदेव लोहमरोड़ व डॉ दलबीर सिंह विश्नोई ने आगंतुकों का धन्यवाद किया।

राजकीय अजित अस्पताल खेतड़ी ट्रोमा सेंटर में क्रमोन्नत

ग्रामीणों ने मिठाई बांटी और पटाखे जलाकर जश्न मनाया, विधायक का आभार जताया

भीम प्रज्ञा न्यूज

डाडा फतेहपुरा । राजकीय अजित अस्पताल, खेतड़ी को ट्रोमा सेंटर में क्रमोन्नत किया गया है। इस घोषणा के बाद ग्राम डाडा फतेहपुरा में भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर को बधाई दी, मिठाई बांटी और पटाखे जलाकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने बताया

कि ट्रोमा सेंटर की सुविधा से खेतड़ी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को गंभीर दुर्घटनाओं तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए अब दूर के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा। ग्रामीणों ने विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके निरंतर प्रयासों के कारण क्षेत्र को यह महत्वपूर्ण सुविधा मिली है। ट्रोमा सेंटर के शुरू होने से हजारों लोगों को लाभ होगा और आपातकालीन स्थितियों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में हनुमान प्रसाद, कैलाश चंद, ओमप्रकाश, राजेंद्र सिंह, धर्मवीर, गोपाल सिंह, महेंद्र कुमार, रवि शंकर, अशोक, नरेंद्र सिंह, दीपक कुमार, विनोद सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। उपस्थित ग्रामीणों ने जोर दिया कि ट्रोमा सेंटर की स्थापना से क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होगी और जरूरतमंद मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल पाएगा।

सीकर में SFI ने निकाला आक्रोश मार्च: राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बोले- दस साल में 46 बार दोबारा एग्जाम हुए; 19 जून को शिक्षा मंत्रालय का करेंगे घेराव

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (SFI) ने नीट पेपरलीक के विरोध में बुधवार को आक्रोश मार्च निकाला। यह आक्रोश मार्च डाक बंगला परिसर से शुरू होकर नवलगढ़ पुलिया होते हुए सीएलसी चौराहे पर पहुंचा। आक्रोश मार्च के

दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जाखड़ ने कहा- जब से NTA का गठन हुआ है, तब से लेकर आज तक वह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नहीं, बल्कि नेशनल टॉर्चर एजेंसी है। उन्होंने कहा- 10 साल में NTA के 89 पेपरलीक हुए हैं। 46 बार दोबारा एग्जाम हुई। उन्होंने कहा- SFI अब 19 जून को नई दिल्ली में शिक्षा मंत्रालय का घेराव करेगी। वहीं जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता, तब तक स्टूडेंट्स वहीं बैठे रहेंगे। जाखड़ ने कहा- नीट का पेपर रद्द होने के बाद सीकर में प्रदीप मेघवाल और उमेश माली ने सुसाइड कर लिया। इन दोनों की मौत का जिम्मेदार देश की सरकार है, लेकिन शिक्षा मंत्री एक शब्द भी नहीं बोल रहे।

मंदिर,मस्जिद ,मजार पर चला बुलडोजर

आगरा (एजेंसी)। आगरा में बुधवार को प्रशासन ने तालाब की जमीन पर बने मंदिर, मस्जिद और मजार को बुलडोजर चलाकर हटा दिया। करीब तीन घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान पुलिस बल और पीएसी के करीब 500 जवानों की तैनाती रही। प्रशासन ने कोर्ट और एनजीटी के आदेश का हवाला देते हुए तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। मामला सदर तहसील के अंगूठी गांव का है। यहां करीब 22.5 बीघा भूमि राजस्व अभिलेखों में तालाब के रूप में दर्ज है। आरोप था कि इस जमीन पर मंदिर, मस्जिद और मजार बनाकर कब्जा कर लिया गया था। ग्रामीणों की शिकायत और कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। बुलडोजर सबसे पहले मंदिर, फिर मस्जिद और अंत में मजार पर चला। प्रशासन के अनुसार, तालाब को अमृत सरोवर योजना के तहत विकसित किया जाना है। धार्मिक ढांचे होने के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। ग्रामीण लंबे समय से भूमि खाली कराने की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई न होने पर मामला कोर्ट और बाद में एनजीटी तक पहुंचा।

बस-ट्रक की टक्कर, 6 की मौत,31 घायल

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया।

डीएफसी कॉरिडोर पर मालगाड़ी के डिब्बे में लगी भीषण आग

-चार दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में बुधवार को डेडिकेटेड फेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर खड़ी एक मालगाड़ी के डिब्बे में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में डिब्बा पूरी तरह इसकी चपेट में आ गया और आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार छा गया। धुएं और आग की लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई देने लगीं, जिससे आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। मीडिया रिपोर्ट से प्राप्त जानकारी अनुसार, थाना लाइनपार क्षेत्र के रूपसपुर के निकट बुधवार शाम करीब चार बजे डीएफसी लाइन पर खड़ी मालगाड़ी के एक डिब्बे से धुआं निकलता दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य घटना समझा, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया।

चार दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे तक चले अभियान के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान प्रशासन की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहीं ताकि आग अन्य डिब्बों या आसपास के क्षेत्र में न फैल सके।

पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियां पहुंचीं मौके पर

आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया और लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा गया। अधिकारियों ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था भी की।

जनहानि नहीं, यात्री रेल सेवाएं प्रभावित नहीं

प्रशासन के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। चूंकि आग मालवाहक कॉरिडोर पर लगी थी, इसलिए सामान्य यात्री रेल सेवाओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन और संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लेह में ड्यूटी के दौरान पंजाब का जवान शहीद, 5 महीने पहले हुई थी शादीम

लेह (एजेंसी)। लेह में देश की सेवा करते हुए पंजाब के एक वीर जवान नायक सरबजीत सिंह शहीद हो गए। वे पंजाब आर्मर्ड रेजिमेंट का हिस्सा थे और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्र में तैनात थे। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान अचानक ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव बिंदरख निवासी नायक सरबजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह का विवाह इसी वर्ष 25 जनवरी को ही हुआ था। शादी के मात्र पांच महीने बाद उनके शहीद होने की खबर से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। इस दुखद समाचार के बाद गांव बिंदरख सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। शहीद के ताऊ सुखविंदर सिंह ने बताया कि सरबजीत सिंह का पार्थिव शरीर जल्द ही उनके पैतृक गांव लाया जाएगा, जहाँ पूर्ण राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। देश की रक्षा में दिए गए इस सर्वोच्च बलिदान पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए वीर सपूत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राम मंदिर ट्रस्ट के दस्तावेजों में चौंकाने वाला खुलासा : दान से ज्यादा ब्याज, बेहिसाब खर्च

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के दस्तावेजों से चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। बीते 11 महीनों में मंदिर को श्रद्धालुओं से जितना चढ़ावा मिला है, उससे अधिक बैंक में जमा ट्रस्ट के फंड पर ब्याज मिल गया है। यह खुलासा ट्रस्ट की वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दस्तावेजों से सामने आया है कि गड़बड़ियां केवल चढ़ावे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये उन बेहिसाब खर्चों तक फैली हुई हैं जिनकी पूरी जानकारी ट्रस्ट के कुछ सदस्यों और पदेन पदाधिकारियों को कभी नहीं दी गई।

अमरनाथ यात्रा में आने वाले लाखों श्रद्धालु कश्मीर के मेहमान: महबूबा

-3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी यात्रा

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कश्मीर का मेहमान बताया है। उन्होंने पहलगाम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि यह यात्रा भारत में कश्मीर के बारे में फैली घृणा और अविश्वास को समाप्त करने का मौका है। मुफ्ती ने सुरक्षा बलों के साथ-साथ पूरे कश्मीरी लोगों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रियों के प्रति प्यार, सौहार्द और अतिथि सत्कार की भावना दिखाने की अपील की। उनके अनुसार, प्रत्येक श्रद्धालु के साथ मानवीय व्यवहार ही कश्मीर और मुसलमानों के विरुद्ध गलतफहमियों का मुकाबला कर सकता है और कश्मीरियत की भावना को दिखा सकता है।

करोड़ों शिव भक्तों की आस्था का केंद्र श्री बाबा अमरनाथ की यात्रा भारत की एकता-अखंडता की प्रतीक है। इस पवित्र गुफा की पुनर्खोज बूटा मोहम्मद नामक एक नेक दिल मुस्लिम गुज्जर ने की थी, और आज भी चढ़ावे का एक हिस्सा उनके परिवार को दिया जाता है, जो गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है।

इस वर्ष यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को सम्पन्न होगी, जो कुल 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे 'नुनवान-पहलगाम मार्ग' और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे 'बालटाल मार्ग' का उपयोग करने वाले है। यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के सभी धर्मों के लोगों को एक भावात्मक बंधन में बांधने व भाईचारा मजबूत करने के साथ स्थानीय लोगों जैसे घोड़े, पिट्ठू, पालकी वालों, शिकारा चलाने वालों और होटल मालिकों के लिए कमाई का प्रमुख साधन भी है। इससे राज्य सरकार को भी करोड़ों रुपयों की आय होती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा मार्ग के अलावा प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसके लिए पोर्टेबल जैमर, डीप सर्च मैटल डिटैक्टर और विस्फोटक डिटैक्टर जैसे अत्याधुनिक उपकरण तैनात किए हैं। अतीत में हुए आतंकवादी हमलों को देखकर इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। आशा है कि महबूबा मुफ्ती के इन उद्गारों के अनुरूप इस वर्ष की यात्रा शांति और सफलता के साथ सम्पन्न होगी।

राहुल गांधी मानहानि केस : सुल्तानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में बहस टली, अब 29 जून को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में बुधवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में होने वाली बहस टल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 29 जून की तारीख तय की है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान परिवादी (शिकायतकर्ता) पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत को सूचित किया कि राहुल गांधी के वॉयस सैंपल (आवाज के नमूने) संबंधी अर्जी को खारिज किए जाने के खिलाफ एक पुनरीक्षण याचिका सत्र न्यायालय में विचाराधीन है। इस कानूनी प्रक्रिया के चलते बुधवार को मामले में आगे बहस नहीं हो सकी, जिसके बाद अदालत ने 29 जून की नई तिथि नियत कर दी। यह पूरा विवाद साल 2018 का है, जब कर्नाटक के बंगलुरू में आयोजित एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी से आहत होकर भाजपा नेता विजय मिश्र ने सुल्तानपुर की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मानहानि वाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही सुल्तानपुर की अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जमानत (ठंपस) करा चुके हैं। इसके साथ ही दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अदालत में उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब सभी की नजरें 29 जून को होने वाली अगली सुनवाई और बहस पर टिकी हैं।

राम मंदिर के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मस्थान में दान घोटाले का आरोप

मथुरा (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के एक सदस्य ने मथुरा स्थित मंदिर में दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बुधवार को मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की और दावा किया कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान से जुड़े कथित गबन जैसी स्थिति यहां भी हो सकते हैं। ये आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रहा है। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने आरोपों को निराधार करार दिया है।

दिनेश फलाहारी महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली दान राशि और आभूषणों का वर्षों से दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दान की गिनती के दौरान सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। उनका दावा है कि समिति के कुछ सदस्यों ने निजी संपत्ति अर्जित की है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। फलाहारी महाराज ने कहा कि हमें आशंका है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान में भी इसी (श्रीराम जन्मभूमि मंदिर) तरह की अनियमितताएं हो रही हैं। मामले की सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई तो वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

इस बीच, आरोपों को खारिज करते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि मंदिर में दान के प्रबंधन के लिए पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाती है और संस्थान किसी भी जांच के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ये आरोप निराधार हैं। हम किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि दान की गिनती की प्रक्रिया तीन कर्मचारियों की मौजूदगी में सीसीटीवी निगरानी के तहत की जाती है और इस कार्य में लगे कर्मचारियों की समय-समय पर अदला-बदली भी की जाती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हम व्यवस्था को और आधुनिक बना रहे हैं तथा सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के बाहर कोई दान काउंटर नहीं है और सारा चढ़ावा मंदिर परिसर के भीतर ही स्वीकार किया जाता है।

यूबीटी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलों के बीच संजय राउत ने सांसदों को खरीदने का लगाया आरोप, किया दावा

-हर सांसद को दिए जा रहे 15 करोड़ एडवांस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को बड़ा झटका लगने की खबरें सामने आ रही है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा है कि यूबीटी के सात लोकसभा सांसद पाला बदल सकते हैं। ये सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेताओं के संपर्क में हैं और जल्द ही शिंदे दोबारा से उद्धव गुट पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकते हैं। इसे ऑपरेशन टाइगर नाम दिया गया है। इस बीच यूबीटी के सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है, जिसमें एक बड़ा दावा किया जा रहा है।

संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र के सांसदों को पाला बदलने के लिए 15-15 करोड़ रुपए ऑफर किए जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'अपना सपना मनी मनी! महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए हर एक को 15-15 करोड़ रुपए एडवांस दिए जा रहे हैं। यह जानकारी चौंकाने वाली और घिनौनी है!। सांसद ने इस पोस्ट को बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस को टैग भी किया है।

राउत के दावे से पाला बदलने की अटकले तेज

खास बात ये है कि संजय राउत लगातार इस बात का खंडन कर रहे थे कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और कोई कहीं नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा था कि हम ऑपरेशन वुल्फ करेंगे। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन टाइगर महज एक अफवाह है। लेकिन अब राउत की इस पोस्ट से साफ जाहिर हो रहा है कि राज्य में कुछ बड़ा खेला होने वाला है। पार्टी भले ही एकजुटता की बात करे लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

उद्धव के सांसद दिल्ली में मौजूद

इस बीच खबर है कि शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई से दिल्ली पहुंच गए हैं। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिंदे का दिल्ली दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इधर उद्धव गुट के भी कुछ सांसद दिल्ली में दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे शिरडी से दिल्ली आए हैं। बताया जा रहा है कि कल ही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया था और संगमनेर में आयोजित सप्ताह कार्यक्रम में भी मौजूद रहे थे। हालांकि अचानक दिल्ली रवाना होने के बाद उनके दौरे को लेकर कई तरह की राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

6 सांसदों के अलग गुट बनाने की चर्चा

वहीं शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के तीन सांसद अनिल देसाई,संजय राउत और अरविंद सावंत भी दिल्ली पहुंचे हैं। खबर है कि आज तीनों सांसद मीडिया से बात करेंगे। वहीं उद्धव ठाकरे के सांसद नागेश आस्तिकार भी दिल्ली आ गए हैं। वहीं परभणी सांसद संजय उर्फ बंधु जाधव और यवतमाल वाशिम सांसद संजय देशमुख के भी दिल्ली आने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक यूबीटी के 9 में से 6 सांसद अलग गुट बनाएंगे। खबर है कि ये सांसद एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

रांची में संघ कार्यालय पर बदमाशों ने फेंके पेट्रोल बम, एक फटा, घटना कैमरे में कैद

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दफ्तर पर हमला हुआ है। यहां बदमाशों ने पेट्रोल बम से हमला किया और भाग गए। इस घटना की तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। बदमाशों की तस्वीर से उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि अपराधियों ने कार्यालय में दो पेट्रोल बम फेंका जिसमें एक फटा। इस वारदात को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी खंगाल रही है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति जाते दिखा। इस मामले पर बात करते हुए झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आरएसएस के दफ्तर में रात साढ़े 12 बजे 2 लड़के 2 बार आते हैं एक बार ऊपर पेट्रोल बम फेंकते हैं जो फटता है, और फिर नीचे चलाते हैं। फिर आराम से लौट जाते हैं। मरांडी ने कहा कि मामला गंभीर है। संघ के ऑफिस में इस प्रकार से हमला होना एक प्रकार से बड़ी घटना को राज्यभर में अंजाम देने की तैयारी थी। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

अकाल तख्त के फैसले के बाद भगवंत मान पर गहराया नैतिक संकट, इस्तीफे की मांग तेज

राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, मान को अपने पद रहने का नैतिक अधिकार नहीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर वीडियो विवाद को लेकर गहरा नैतिक संकट छा गया है, जिसमें सिख धर्म और उसकी सम्मानित हस्तियों का कथित तौर पर अनादर हुआ है। इस मामले में सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा दिए गए फैसले के बाद बीजेपी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने कहा है कि मान को अपने पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

सांसद चुघ ने याद दिलाया कि जब यह वीडियो कई महीने पहले पहली बार सामने आया था, तब मुख्यमंत्री मान ने वीडियो को बनावटी बताकर खारिज किया था। उन्होंने दावा किया था कि इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाया गया है। सीएम मान ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सामने पेश होकर चुनौती दी थी कि किसी सक्षम एजेंसी से वीडियो की जांच कराई जाए, क्योंकि उनका मानना था कि यह नकली है। इस तरह मान ने अपनी विश्वसनीयता को इस जांच के नतीजे पर टिका दिया था।

हालांकि, 15 जून को पंथिक हस्तियों, संस्थाओं और सिख संगठनों के साथ हुई बातचीत में सारी सच्चाई सामने आ गई। चुघ के अनुसार, वीडियो को देश की दो मान्यता प्राप्त फोरेंसिक प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजा गया था, और दोनों ने बिना किसी संदेह के यह निष्कर्ष निकाला कि वीडियो पूरी तरह असली था, उसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई थी और वह एआई से नहीं बनाया गया था। इस तरह जिस जांच के लिए भगवंत मान ने खुद कहा था, वहीं आज उनके अपने ही आचरण के खिलाफ एक गंभीर आरोप बन गया है। इन नतीजों के आधार पर, सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने मान को गुरु-द्रोही और पंथ-विरोधी करार दिया। साथ ही, सिख संगत को उनका सामाजिक बहिष्कार करने की सलाह दी। इस अभूतपूर्व निंदा ने दुनिया भर में नानक नाम लेवा संगत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और एक ऐसी नैतिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी है जिसका सामना पहले किसी मुख्यमंत्री को नहीं करना पड़ा था।

भारत की अफगानिस्तान को मानवीय मदद, 'पाकिस्तान समर्थक तिलमिलाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपने पड़ोसी अफगानिस्तान को बड़ी मदद की है। संकटग्रस्त अफगानिस्तान को भारत से 5 टन आवश्यक दवाइयों की एक और खेप काबुल पहुंची है। एक मित्र राष्ट्र के तौर पर भारत द्वारा दी जा रही मदद की सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना की जा रही है। हालांकि, कुछ पाकिस्तान समर्थक तत्वों को यह मानवीय कार्य रास नहीं आ रहा है, जिससे वे अपनी कुंठा सोशल मीडिया पर निकाल रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस सहायता की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया, दूर के दोस्त ना रहें, पड़ोसी रहने चाहिए सबसे पहले, इस भावना को उजागर कर भारत ने अफगानिस्तान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस पहल को ज्यादातर सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब सराहा है, जहां सैयद गुलाम रिजवी जैसे हैंडल ने पड़ोसियों के साथ मजबूत संबंधों की वकालत की है, वहीं कई अन्य ने भारत के इस कदम को बहुत अच्छे, जरूरतमंदों की मदद करते रहें जैसे शब्दों से सराहा है। हालांकि, भारत की मानवीय पहल से कुछ पाकिस्तान समर्थक लगने वाले लोग बेहद नाखुश हैं। सोशल मीडिया पर हैंडल ने भारत पर इसके माध्यम से दक्षिण एशिया में आतंकवाद को संरक्षण देने तक का आरोप लगाया, और लिखा कि सत्ता की भूख ने भारतीयों को बहुत ही नीचे गिरा दिया है।

भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट नीति पर लगातार काम कर रहा है और अफगानिस्तान के साथ-साथ नेपाल, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों के संकट में भी हमेशा खड़ा रहा है। अफगानिस्तान के लिए यह केवल नवीनतम सहायता है। इसी महीने भारत ने वहां के स्वास्थ्य तंत्र के लिए वेंटिलेटर, कार्डियोग्राफ और नवजात शिशुओं की देखभाल से जुड़े डायग्नोस्टिक व उपचार उपकरण भेज दिए थे। पिछले महीने 33 टन बीसीजी, टिटनेस और डिप्थीरिया वैक्सीन की सामग्रियां भेजी गईं थीं, जिसने बच्चों के टीकाकरण अभियान को मजबूत किया। हाल ही में अप्रैल में, बाढ़ राहत के लिए किचेन सेट, हाइजिन किट और स्लीपिंग बैग सहित 3 टन विशेष सामग्री भी पहुंचाई गई थी।

पेपर लीक का धंधा अरबों रुपयों का, इसका पैसा ऊपर तक पहुंचता है: केजरीवाल

-टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएमए अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने टेलीग्राम पर पाबंदी और परीक्षा के पेपर हवाई मार्ग से पहुंचाने के लिए भारतीय सेना के इस्तेमाल को सरकार के बेतुके कदम बताया। उन्होंने सवाल किया कि सेना के विमानों से पेपर पहुंचाना, टेलीग्राम बंद करना...क्या इन कदमों से पेपर लीक रुकेंगे? बिल्कुल नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पेपर लीक का धंधा कई अरब रुपयों का रैकेट है। इसका पैसा सबसे ऊपर तक पहुंचता है। अगर पेपर लीक रुक गए, तो सांसद और विधायकों को खरीदने के लिए पैसा कहां से आएगा? नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 22 जून 2026 तक टेलीग्राम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसमें नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल था। इस रोक का मकसद उस तरीके को रोकना था जिसके तहत राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के झूठे सबूत गढ़े जाते थे।

टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने इस अस्थायी रोक की आलोचना करते हुए कहा कि इससे लाखों आम यूज़र्स को बिना वजह सजा मिलती है, जबकि लीक को रोकने में भी यह नाकाम रही है, क्योंकि पेपर लीक अब दूसरे ऐप्स पर हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत के आईटी मंत्रालय ने एक हफ़्ते के लिए टेलीग्राम पर रोक लगा दी क्योंकि कुछ यूज़र्स ने परीक्षा के लीक हुए सवाल शेयर किए थे।

एनटीए ने साफ किया कि प्लेटफ़ॉर्म-लेवल पर यह पाबंदी लगाई गई थी। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया कि वह भारत में पहले से पोस्ट किए गए मैसेज के लिए मैसेज-एडिटिंग फ़ीचर को 30 जून 2026 तक बंद कर दे।

गुजरात की नई औद्योगिक नीति का ऐलान, 10 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026 का अनावरण किया

गांधीनगर ।

गुजरात सरकार ने अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ अपनी नई औद्योगिक नीति 'विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026' की घोषणा की है। यह नीति आगामी पांच वर्षों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्नत विनिर्माण, नवाचार और स्टार्टअप के लिए एक मजबूत एवं सहयोगी ढांचा विकसित करना है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों को आकर्षित करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए 15 से 50 फीसदी तक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में इस नीति का अनावरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव एम. के. दास सहित अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। यह दूरगामी नीति वर्ष 2047 तक गुजरात को 3.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में राज्य की प्रगति को गति देने और उन्नत विनिर्माण व नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है।

मई में भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर, व्यापार घाटा बरकरार

पेट्रोलियम और इंजीनियरिंग उत्पादों ने दी रफ्तार; आयात में भी तेज वृद्धि दर्ज

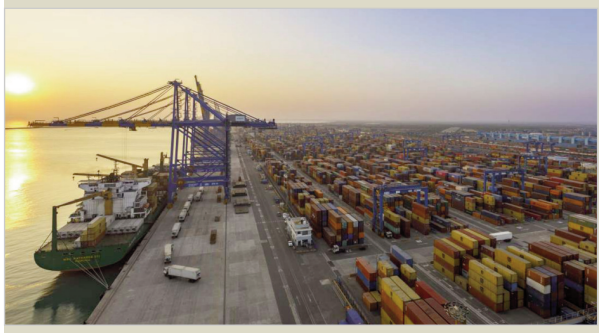

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई माह में भारत के व्यापारिक वस्तु निर्यात ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की है। यह 45.20 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस दौरान आयात में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई, जिससे देश का व्यापार घाटा ऊंचा बना रहा। आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोलियम उत्पादों और इंजीनियरिंग वस्तुओं के मजबूत प्रदर्शन ने निर्यात वृद्धि में अहम योगदान दिया। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 55 प्रतिशत बढ़कर 8.42 अरब डॉलर हो गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात लगभग 25 प्रतिशत बढ़कर 12.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य अ धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात मई में 5.30 अरब डॉलर रहा, जो लगभग मई 2025 के स्तर पर लौट आया है। यह शिपिंग मंत्रालय और निर्यात संवर्धन एजेंसियों के प्रयासों से संभव हुआ, जिन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के दौरान वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की। दूसरी ओर, देश का आयात भी लगभग 21 प्रतिशत बढ़कर 73.41 अरब डॉलर के पिछले सात महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आयात बिल है, जो पिछले वर्ष अक्टूबर के 76.73 अरब डॉलर के रिकॉर्ड से कुछ कम है। इसके परिणामस्वरूप, मई में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल के 28.38 अरब डॉलर से थोड़ा कम है लेकिन पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र की बात करें तो मई में सेवाओं का निर्यात अनुमानित रूप से 13 प्रतिशत बढ़कर 36.76 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 14 प्रतिशत बढ़कर 19.06 अरब डॉलर हो गया। इससे सेवाओं के व्यापार में भारत को मई में लगभग 17.70 अरब डॉलर का अधिशेष मिला, जो एक सकारात्मक संकेत है। राजेश अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि अगर अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया में स्थिति सामान्य रहती है, तो जून में निर्यात और बेहतर रहने की संभावना है।

क्रेडिट स्कोर के आधार पर महंगा हुआ कर्ज, उपभोक्ताओं पर बढ़ा बैंक ब्याज का बोझ

नई दिल्ली।

बैंकों द्वारा ऋण में क्रेडिट स्कोर को अधिक महत्व दिए जाने के बाद कई उपभोक्ताओं को कर्ज लेना महंगा हो गया है। वित्तीय क्षेत्र से जुड़े जानकारों के अनुसार अब अधिकांश बैंक और वित्तीय संस्थान उधारकर्ताओं के क्रेडिट स्कोर के आधार पर ब्याज की वसूली करेंगे। रिजर्व बैंक के नए आदेश से जोखिम प्रोफाइल के आधार पर बैंक ब्याज दरें तय कर रहे हैं। बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम ब्याज दर होगी। जबकि कम स्कोर वाले ग्राहकों से 2 से 2.5 प्रतिशत तक अधिक ब्याज बैंकों द्वारा वसूल किया जाएगा । विशेषज्ञों का कहना है, जोखिम आधारित कर्ज निर्धारण कर पुराने कर्ज पर उपभोक्ताओं से ज्यादा रेट पर ब्याज की वसूली की जाएगी। उपभोक्ता संगठनों का तर्क है, इससे मध्यम वर्ग और पहली बार ऋण लेने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी का तरीका नहीं है। जिसके

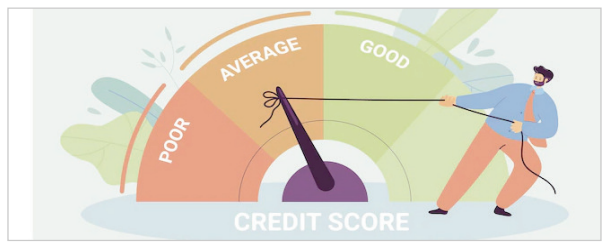

कारण रेटिंग खराब होती है। कम क्रेडिट स्कोर वाले लोगों की मासिक ईएमआई में बड़ी वृद्धि हो सकती है। गरीब और मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर इसका असर पड़ेगा। जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है। आमदनी घट रही है ऐसे समय पर रिजर्व बैंक ने गरीब और मध्यम वर्ग पर ब्याज का अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। जिससे लोगों में नाराजी फैल रही है।

टीसीएस पहली तिमाही में सात करोड़ डॉलर का अतिरिक्त प्रावधान करेगी

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज करेगी एकमुश्त असाधारण खर्च

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को एक बड़े कानूनी झटके के बाद वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अतिरिक्त सात करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रावधान करना होगा। यह फैसला अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (अब डीएक्ससी टेक्नोलॉजी का हिस्सा) के साथ व्यापारिक रहस्यों से जुड़े कानूनी विवाद में निचली अदालत के फैसले की समीक्षा से इनकार करने के बाद आया है। टीसीएस ने मंगलवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि उसने इस मामले के लिए पहले ही 15 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया हुआ था।

अब कंपनी हर्जाना, ब्याज और कानूनी लागत के रूप में सात करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त राशि का प्रावधान करेगी। यह एक बार का असाधारण खर्च वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज किया जाएगा।

दरअसल, अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 15 जून 2026 को इस मामले में यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट के निर्णय की समीक्षा के लिए टीसीएस की याचिका को खारिज कर दिया है। इससे पहले, यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट ने 19.42 करोड़ डॉलर के हर्जाने के आदेश को बरकरार रखते हुए कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन/डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह मामला व्यापारिक रहस्यों के उल्लंघन से संबंधित है, जिसका खुलासा टीसीएस ने जून 2024 और नवंबर 2025 में शेयर बाजार को की गई सूचनाओं में किया था।

कच्चे तेल में गिरावट से सरकारी तेल कंपनियों को बंपर फायदा

ब्रेंट के 65 डॉलर तक फिसलने का अनुमान

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट से देश की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को बड़ा फायदा मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि के साथ कच्चे तेल के नरम पड़ने से कंपनियों की कमाई में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। अप्रैल की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर था, जो अब घटकर करीब 83 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इस नरमी से तेल कंपनियों पर दबाव कम हुआ है और वे ऑटो फ्यूल कारोबार में सामान्य मुनाफे के

करीब पहुंच चुकी हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और पिछले एक महीने में ओएमसी शेयरों में अच्छी तेजी भी देखी गई है।

एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार ओएमसी के लिए हालात बेहतर दिख रहे हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि अगले कुछ महीनों में ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकता है, जिससे कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा का मुनाफा कमा सकती हैं। एलपीजी कारोबार में हालांकि दबाव बरकरार है, पर हालिया मूल्य वृद्धि से कुछ राहत मिली है। एंटीक ने एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए एचपीसीएल को अपनी पहली पसंद बताया है। बढ़ती वैश्विक आपूर्ति और धीमी मांग के चलते अगले 6-9 महीनों में ब्रेंट क्रूड 65-70 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है, जो ओएमसी के लिए सकारात्मक खबर है।

आरबीआई का फरमान, वित्तीय उत्पादों की धोखाधड़ी वाली बिक्री पर लगेगी लगाम

सख्त नियम जारी, 1 जनवरी 2027 से होंगे लागू, डिजिटल मार्केटिंग भी दायरे में

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) और आक्रामक बिक्री प्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। ये नए सिद्धांत-आधारित नियम 1 जनवरी, 2027 से लागू होंगे, जिनका लक्ष्य उपभोक्ताओं को गलत जानकारी और अनुचित बिक्री दबाव से बचाना है। दिशानिर्देशों के तहत सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और सभी डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ भी दायरे में आएंगे, क्योंकि ये नियम माध्यम-निरपेक्ष दृष्टिकोण पर आधारित हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को आक्रामक बिक्री को बढ़ावा देने वाले प्रोत्साहन ढांचे से दूर रहने को कहा है। विनियमित संस्थाएं (आरई) अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहन दे सकती हैं, पर यह सुनिश्चित करना होगा कि वे गलत बिक्री को बढ़ावा न दें। साथ ही, तीसरे पक्ष द्वारा आरई कर्मचारियों

को प्रोत्साहन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि सभी विज्ञापन, विपणन और बिक्री के लिए अंतिम जिम्मेदारी संबंधित आरई की होगी, चाहे वे सीधे एजेंट या आउटसोर्स व्यवस्था से हों। प्रचार या ग्राहक जोड़ने के लिए नियुक्त इन्फ्लूएंसर, सहयोगी और अन्य डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ अब डायरेक्ट सेलिंग एजेंट (डीएसए) या डायरेक्ट मार्केटिंग एजेंट (डीएमए) की श्रेणी में माने जाएंगे। यह कदम वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

लीपफॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ 17 जून को खुलेगा

मुंबई ।

बेंगलुरु स्थित लीपफॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 21-23 प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी का 88.51 करोड़ का यह आईपीओ बुधवार को निवेशकों के लिए खुलेगा। यह आईपीओ सदस्यता के लिए बुधवार को खुलेगा और शुक्रवार को बंद होगा। इसमें 79.60 करोड़ रुपए के लगभग 3.46 करोड़ इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और 8.91 करोड़ रुपए के लगभग 38.75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। लीपफॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज एक इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग (ईपीसीसी) कंपनी है जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। कंपनी ने अपनी मजबूत व्यावसायिक स्थिति का प्रदर्शन करते हुए 384 करोड़ रुपए से अधिक की ऑर्डर बुक बनाई है। इसमें 327 करोड़ रुपए से अधिक की निर्यात परियोजनाएं भी शामिल हैं, जो वैश्विक स्तर पर इसकी क्षमताओं को दर्शाती हैं।

सरकार जीआईसी में 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) में अपनी पांच प्रतिशत तक हिस्सेदारी 352 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी।

मंगलवार से शुरू हुई इस दो दिवसीय बिक्री पेशकश (ओएफएस) से सरकारी खजाने को लगभग 3,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अ धिकारी ने बताया कि संस्थागत निवेशक मंगलवार को और खुदरा निवेशक बुधवार को बोली लगा सकेंगे।

सरकार प्रारंभिक दो प्रतिशत इक्विटी के साथ, ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त तीन प्रतिशत हिस्सेदारी भी बेचेगी। यह न्यूनतम कीमत सोमवार के बंद भाव (388.35 रुपये) से 9.36 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हिस्सेदारी बेचकर अब तक 13,389 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

स्किल कोर्स 28 लाख ने किया,नौकरी मिली सिर्फ 23 फीसदी को!

प्रमाणन दर भी निराशाजनक, नीति-निर्माताओं की चिंता बढ़ी

नई दल्ली ।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अकादमी के कौशल विकास कार्यक्रम भले ही लाखों युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलाने का दावा करते हों, लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक है। एनएसडीसी के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले एक चौथाई से भी कम लोगों को रोजगार मिल पाता है। यह स्थिति कौशल प्रशिक्षण को नौकरी में बदलने की बड़ी चुनौती को दर्शाती है। 8 जून तक के आंकड़ों के मुताबिक एनएसडीसी अकादमी के माध्यम से दाखिला लेने वाले 28.3 लाख उम्मीदवारों में से केवल 6,60,586 को ही नौकरी मिल पाई है, जो लगभग 23 प्रतिशत की रोजगार दर है।

इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि दाखिला लेने वालों में से आधे से भी कम (लगभग 14 लाख) उम्मीदवारों को ही प्रमाणपत्र मिल पाए, जो दाखिले के बाद प्रमाणन और फिर नौकरी तक पहुंचने की प्रक्रिया में एक

बड़े अंतर को उजागर करता है। वर्ष 2023 में शुरू हुई एनएसडीसी अकादमी का उद्देश्य उच्च शिक्षा के साथ उद्योग-जुड़े कौशल विकास को जोड़ना और रोजगार क्षमता बढ़ाना है। हालांकि, मौजूदा आंकड़े इस पहल की वास्तविक प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करते हैं। नीति-निर्माता अब केवल दाखिले की संख्या के बजाय रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि श्रम, कपड़ा और कौशल विकास पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने प्लेसमेंट को कौशल-विकास कार्यक्रमों की सफलता का 'असली पैमाना' बताया है। ये आंकड़े सरकारी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 27 तक उद्योग में तेज वृद्धि का लक्ष्य चंद्रशेखरन

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद नए उत्पाद और जेएलआर के साथ सहयोग विकास बढ़ाएंगे

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने विश्वास व्यक्त किया है कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) वित्त वर्ष 2026-27 तक व्यापक आर्थिक और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करेगी। उन्होंने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे अपने पत्र में यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी नए उत्पादों और मल्टी-पावरट्रेन पेशकशों के समर्थन से वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूती से प्रवेश कर रही है, जिसका उद्देश्य उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करना है। उनका ध्यान सुरक्षा, स्थिरता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गहरा करने पर रहेगा, साथ ही व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लचीलेपन पर भी जोर दिया जाएगा। समूह की कंपनियों के बीच तालमेल पर प्रकाश डालते हुए, चंद्रशेखरन ने बताया कि टीएमपीवी और उसकी ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन में सहयोग जारी रखेंगे। उनका मानना है कि इससे दक्षता बढ़ेगी, सीखने की गति तेज होगी और पूंजी अनुशासन मजबूत होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) में वैश्विक प्रगति परिवहन उत्पादों के डिजाइन, अनुभव और समर्थन के तरीके बदल रही है। इसी के साथ, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव, सुरक्षा को लेकर बढ़ती अपेक्षाएं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन प्रतिस्पर्धा को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

बेरोजगारी ने तोड़ा 11 महीने का रिकॉर्ड, मई में 5.5 फीसदी पर पहुंची दर

श्रम बल भागीदारी में भी गिरावट, काम की तलाश करने वालों का अनुपात 54.4 फीसदी हुआ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के नवीनतम मासिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत के श्रम बाजार ने मई में एक चिंताजनक प्रवृत्ति प्रदर्शित की है, जिसमें बेरोजगारी दर (यूआर) 11 महीने के उच्चतम स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह वृद्धि अप्रैल के 5.2 प्रतिशत से हुई है। विशेष रूप से महत्वपूर्ण यह है कि यह श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में गिरावट के बावजूद दर्ज की गई है, जो काम करने या काम की तलाश करने वाले लोगों के अनुपात में कमी का संकेत देती है। यह डेटा देश में रोजगार परिदृश्य की अंतर्निहित कमजोरी को उजागर करता है। आंकड़ों के मुताबिक मई में एलएफपीआर घटकर 54.4 प्रतिशत रह गई, जो पिछले 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है, जबकि अप्रैल में यह 55 प्रतिशत थी। इसी तरह, रोजगार प्राप्त लोगों का अनुपात भी अप्रैल के 52.2 प्रतिशत से घटकर मई में 51.4 प्रतिशत पर आ गया, जो एक और 11 महीने का निचला स्तर है। एनएसओ के विश्लेषण के अनुसार कामकाजी आबादी और रोजगार प्राप्त लोगों के अनुपात में कमी तथा बेरोजगारी में वृद्धि से स्पष्ट होता है कि मई के दौरान श्रम बाजार की स्थिति कमजोर हुई है। यह दर्शाता है कि रोजगार के अवसरों में गिरावट, काम की तलाश करने वालों की संख्या में कमी की तुलना में अधिक तेज रही है, जिससे कुल बेरोजगारों का अनुपात बढ़ गया है। आर्थिक गतिविधियों में मौसमी सुस्ती भी इसकी एक संभावित वजह मानी जा रही है। क्षेत्रीय और लिंग-विशिष्ट विश्लेषण से भी महत्वपूर्ण रुझान सामने आए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर अप्रैल के 57.5 प्रतिशत से घटकर मई में 56.6 प्रतिशत रह गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह मामूली गिरावट के साथ 50.1 प्रतिशत से 49.8 प्रतिशत पर आई है। ग्रामीण बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो अप्रैल के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.1 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हुई, जो एक विरोधाभासी प्रवृत्ति को दर्शाता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के रोजगार अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है, और दोनों के लिए बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है, जो व्यापक श्रम बाजार तनाव की ओर इशारा करता है। यह समग्र डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक जटिल चुनौती प्रस्तुत करता है।

सिंगापुर में आंध्र प्रदेश के लिए तकनीकी-निवेश साझेदारी की वकालत

सेमीकंडक्टर, एआई और विश्वविद्यालय शोध में सहयोग पर जोर

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वहां के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की और राज्य में तकनीकी सहयोग व निवेश की मांग की। उन्होंने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और विश्वविद्यालय शोध जैसे उभरते क्षेत्रों में साझेदारी पर विशेष जोर दिया। बैठक में नायडू ने सिंगापुर से आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने व क्षमता निर्माण में मदद मांगी। उन्होंने उद्यम पूंजी और स्टार्टअप निवेशकों को राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही राज्य के बढ़ते औद्योगिक परिवेश, नवाचार अवसंरचना और निवेशक-अनुकूल नीतियों को रेखांकित किया। उन्होंने औद्योगिक परियोजनाओं व रतन टाटा नवाचार केंद्र के माध्यम से विकसित स्टार्टअप में निवेश का सही समय बताया। यात्रा के दौरान नायडू ने सरकारी अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों व निवेशकों से मुलाकात कर अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण व शिक्षा में निवेश पर चर्चा की। भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने बताया कि सिंगापुर हरित ऊर्जा और सेमीकंडक्टर परिवेश में अग्रणी है तथा भारत के राज्यों के साथ काम करने को इच्छुक है। नायडू ने संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट और गूगल क्लाउड से साझेदारी का प्रस्ताव भी रखा, तथा सिंगापुर की कंपनियों को लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला व डिजिटल अवसंरचना में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

'भारत का इतिहास गुलामी का नहीं'

• बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है - मोहन भागवत

एजेंसी

उदयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है। भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का संघर्ष नहीं था बल्कि यह पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्य और मुगल इतिहासकारों के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी की विजय महाराणा प्रताप की थी। भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय की 450वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' ??को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और

गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र उन महान हस्तियों को याद रखता है, जिन्होंने आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल साम्राज्य सेना के आकार, संसाधनों और शस्त्रों के मामले में श्रेष्ठ था। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन थे, धन की कमी थी और उनकी सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय समाज ने कभी भी आसानी से अधीनता स्वीकार नहीं की है। जब भी किसी आक्रमणकारी ने इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, प्रतिरोध की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो गई। विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं को समय-समय पर एक विशिष्ट कथा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के वृत्तांतों में स्वयं यह उल्लेख है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। यदि मुगल सेना को संघर्ष के विभिन्न चरणों में निरंतर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वे भय और असुरक्षा की स्थिति में रहे, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तव में विजय किसकी हुई।

युद्ध की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि प्रारंभिक आक्रमण के दौरान मुगल सेना को पीछे हटने के लिए विवश होना पड़ा था। दूसरे चरण में, महाराणा प्रताप की सेना के शौर्य का ऐसा प्रभाव पड़ा कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति हुई। युद्ध के तीसरे चरण के बाद, मुगल सेना की हालत ऐसी हो गई थी कि वह खुलेआम आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी और उसने आत्मरक्षा पर ही ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने चेतक के असाधारण साहस और युद्ध कौशल की भी प्रशंसा की।

बंगाल के बांकुड़ा में तृणमूल कांग्रेस को झटका

मेयर अलका सेन मजूमदार ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार झटके लगने के बीच बांकुड़ा नगरनिगम की अलका सेन मजूमदार ने अचानक मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को वह बांकुड़ा जिला एसडीओ को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस घटना को लेकर जिले की राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं।

इस्तीफे के बाद अलका सेन मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी थी, उसे उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और संगठन के निर्णय का सम्मान करते हुए मेयर पद से इस्तीफा दिया है।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपेगी, वह उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगी। अलका सेन मजूमदार ने वर्ष 2022 में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में नगरनिगम बोर्ड के गठन के बाद मेयर का पद संभाला था। उनके कार्यकाल के दौरान बांकुड़ा नगरनिगम कई बार

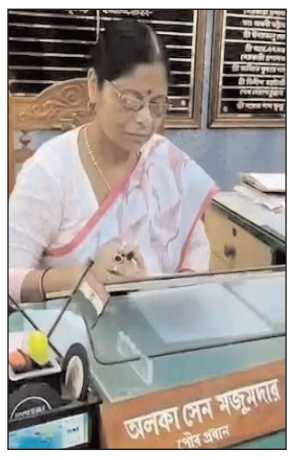

विवादों और राजनीतिक खींचतान के कारण चर्चा में रहा। नगरनिगम बोर्ड के भीतर मतभेद, पार्षदों की नाराजगी और प्रशासनिक फैसलों को लेकर उठे सवालों ने कई बार संगठन और प्रशासन के सामने चुनौतियां खड़ी कीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे समय में मेयर का इस्तीफा कई सवाल खड़े करता है, जब राज्य में तृणमूल कांग्रेस को लगातार संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, अलका सेन मजूमदार ने अपने इस्तीफे को पूरी तरह व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा बताया है, लेकिन विपक्षी दल इसे तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी बांकुड़ा नगरनिगम के नए मेयर के रूप में किसे जिम्मेदारी सौंपती है और क्या यह इस्तीफा केवल व्यक्तिगत कारणों तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश छिपा है।

जी-7 समिट - पीएम मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज की अहम मुलाकात

व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

एवियन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फ्रांस के एवियन में जी7 समिट के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को अधिक मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। चांसलर मर्ज ने प्रधानमंत्री को इस साल के आखिर में जर्मनी में होने वाली 8वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी बातचीत (आईजीसी) के लिए आमंत्रित किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने व्यापार और

निवेश, रक्षा और सुरक्षा, हरित और टिकाऊ विकास, तकनीक, इनोवेशन, शिक्षा और आवाजाही के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर और जर्मनी से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रांजिट वीज़ा छूट को लागू करने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इनमें पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस-यूक्रेन संघर्ष शामिल हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए बनी सहमति का भी स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि भारत और जर्मनी 2026 में अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात है।

बदायूं में हाईवे पर ट्रैक्टरों ने ई रिक्शा सवारों को रौंदा, छह महिलाओं की मौत

निर्माणाधीन हाइवे पर रेस लगाने के दौरान हुआ हादसा, दोनों चालक फरार

एजेंसी

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर को हाइवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ई रिक्शा सवार छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं।

घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और एसएसपी अंकिता शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। डीएम ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। ट्रैक्टर चालकों को पकड़ लिया गया है।

जिलाधिकारी राय ने बताया कि पुलिस की जांच में यह पता चला है

कि कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाली महिलाओं की पहचान कछला की मुरावन मोहल्ला निवासी राजकुमारी (55), गंगाश्री व रेवती (80), प्रेम देवी (45) नारायणी देवी (32) और आरती के रूप में हुई है। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32), डाल सिंह (58) समेत तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बदायूं में हुए भीषण पर पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होगा यूसीसी विधेयक : मोहन यादव

'भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा'

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह विधेयक इसी सत्र में पारित हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण और समसामयिक विषयों को लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक समान कानून लागू करने की भावना में कुछ भी गलत नहीं है और यह समाज में समानता लाने का प्रयास है। उत्तराखंड, गुजरात और असम जैसे राज्यों में यूसीसी लागू

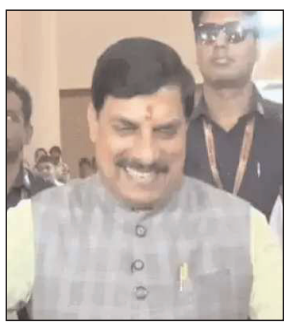

किया जा चुका है। मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। समान नागरिक संहिता को विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें जनजातीय समुदाय अलग रहेगा। कमेटी राय ले रही है। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल ने चाहा तो विधानसभा के इसी सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होगा और मध्य प्रदेश भी जल्द ही इस कानून को लागू करने वाला राज्य बन जाएगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में समान नागरिक संहिता की व्यवहारिकता जांचने और इसका मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, कानूनी विशेषज्ञ अनूप नायर, शिक्षाविद् गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धपाल सिंह को शामिल किया गया है।

चेन्नई एयरपोर्ट पर करीब 5 करोड़ रुपये की क्रिस्टल मेथ बरामद

तस्कर पार्सल छोड़कर फरार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग लगभग पांच करोड़ मूल्य की मेथामफेटामाइन (क्रिस्टल मेथ) की खेप जब्त की है। यह मादक पदार्थ एक लावारिस पार्सल से बरामद किया गया, जिसे विदेश भेजे जाने की योजना थी। घटना के बाद पार्सल छोड़कर फरार हुए लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को एक संदिग्ध लावारिस पार्सल मिला। संदेह होने पर जब उसकी गहन जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में क्रिस्टल मेथ छिपी हुई पाई गई। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल और कस्टम विभाग की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया और

विस्तृत जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप कार्गो विमान के माध्यम से मलेशिया भेजी जानी थी। मामले के खुलासे के बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों और कार्गो सामान की जांच को और सख्त कर दिया गया है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच की बढ़ती सख्ती के कारण तस्कर पार्सल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद हवाई अड्डे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों के यात्रा विवरण और अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा समीक्षा करने केंद्रीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल 20-21 जून को जम्मू-कश्मीर का करेगा दौरा

यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतज़ामों की समीक्षा करेगी

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा, ताकि सुरक्षा और दूसरे इंतज़ामों की समीक्षा की जा सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सीआरपीएफ, बीएसएफ और एसएसबी समेत बड़े सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के डायरेक्टर जनरल और सीनियर ऑफिसर के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो और होम मिनिस्ट्री के सीनियर ऑफिसर भी शामिल होंगे। यह टीम 57 दिन की अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए जमीनी इंतज़ामों की समीक्षा करेगी, जो 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के मौके पर संपन्न होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक लगभग 90 प्रतिशत सुरक्षा बलों की तैनाती की जा चुकी है, जबकि बाकी टुकड़ियां 20 जून से पहले अपनी-अपनी जगहों पर पहुंच जाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की 670 कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, जिसमें से ज़्यादातर जवान कश्मीर घाटी में तैनात किए गए हैं, ताकि मल्टी-लेयर सिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मज़बूत किया जा सके। अभी श्रीनगर शहर के साथ-साथ अनंतनाग और गांदरबल दोनों रूट पर सिक्योरिटी ड्रिल की जा रही हैं। श्रीनगर शहर में होटलों और दुकानों की तलाशी ली जा रही है। हर आने-जाने वाले की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी कई समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। यात्रियों के आने और यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में लगातार बढ़ोतरी के साथ अधिकारियों को इस साल भक्तों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

हर विधानसभा क्षेत्र में 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' खोले जाएंगे: मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के अरुतला में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस राज्य द्वारा संचालित 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' (टीपीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में एक टीपीएस स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये स्कूल छात्रों को खेलों का प्रशिक्षण भी देंगे ताकि भविष्य में भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो सकें। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कक्षाओं में निहित है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच से सजे महलों या रंगीन दीवारों में नहीं है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह कक्षाओं में निहित है। मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अरुतला टीपीएस को तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को समर्पित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी भावना को राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 27 लाख छात्रों के लाभ के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने विद्यालय परिसर का दौरा कर डिजिटल कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और छात्रों के साथ नाश्ता किया।

'एक देश, एक चुनाव', 'स्वदेशी' और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

'आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है'

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित 'प्रबुद्ध सम्मेलन' को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा 'कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता' मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं। होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

स्विट्जरलैंड हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी को तैयार

बर्न, एजेंसी, एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का स्वागत किया है। साथ ही इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। साथ ही उसने इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करने की पेशकश की है। बयान में स्विस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि निकट और मध्य पूर्व में शांति और सुरक्षा स्विट्जरलैंड की विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्विस संघीय विदेश विभाग (एफडीएफए) ने बताया कि वह अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र से पहले बच्चे नहीं चला सकेंगे सोशल मीडिया, प्रस्ताव से 10 में से 9 अभिभावक खुश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 16 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगेगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को इसकी घोषणा की। संबंधित नियम इस साल दिसंबर तक बन जाएंगे और 2027 मार्च- अप्रैल तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार का तर्क है कि एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले उम्र सत्यापन सख्ती से लागू होगा और नियम पालन कराने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी। बैन एप में स्नैपचैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। वॉट्सएप और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाएं फिलहाल प्रतिबंध में शामिल नहीं होंगी। ब्रिटिश सरकार के एक सर्वे में 10 में से 9 अभिभावकों ने इस प्रतिबंध का स्वागत किया है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14-24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे के मुताबिक स्नैपचैट, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से डिप्रेशन, चिंता, अपने शरीर को लेकर हीन भावना और अकेलेपन में बढ़ोतरी होती है। अमेरिकी सर्जन जर्नल के मुताबिक रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताने वाले किशोरों में मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना होता है। अमेरिका में एक परीक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद करने से युवाओं में खुशी, जीवन से संतुष्टि बढ़ी, डिप्रेशन-एंग्जाइटी में सुधार हुआ। 25 से ज्यादा देश किशोरों-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में साल भर पहले प्रतिबंध लागू किया गया था। मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील में भी इस साल की शुरुआत से प्रतिबंध लागू हो चुके हैं। नॉर्वे, फ्रांस, अमेरिका, चीन जैसे कई देशों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया से जुड़े नियम सख्त किए जा रहे हैं।

अमेरिका का बी-52 बॉम्बर उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ क्रैश, हादसे में आठ लोगों की मौत

एडवर्ड्स , एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित मोजावे रेगिस्तान में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद वह दुर्घटना का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी एपी ने वायु सेना के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया के एक सैन्य अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए बी-52 बमवर्षक विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि विमान सुबह करीब 11:20 बजे एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर कहा, 'प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि इस दुर्घटना में जीवित बचना संभव नहीं था।' अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

इलाके में दिखा धुएं का गुबार : चालक दल के सदस्यों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है, हालांकि हवाई दृश्यों में विमान का मलबा लगभग पूरी तरह नष्ट दिखाई दिया। दुर्घटनाग्रस्त के बाद वायुसेना के अड्डे के एक रनवे के निकट रेगिस्तानी क्षेत्र में आग लगने से काला धुआं उठता दिखाई दिया और आसपास कई आपातकालीन वाहन तैनात थे। सेना ने यह नहीं बताया है कि बमवर्षक विमान हथियारों से लैस था या नहीं। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि आपातकालीन राहत कार्यों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए एयरबेस पर गैर-व्यावसायिक आगंतुकों के प्रवेश पास अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है। यह लॉस एंजिलिस से लगभग 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

एयरबेस पर होते हैं विमानों और हथियारों के परीक्षण : इस बेस का संचालन करने वाला 412वां टेस्ट विंग वायुसेना के सभी विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का खरीद से पहले तथा उनके पूरे सेवा काल के दौरान परीक्षण करता है। यही वह सैन्य अड्डा है जहां 1947 में वायुसेना के परीक्षण पायलट चक येगर ने मैक 1.05 की गति हासिल कर आवाज की स्पीड को पहली बार पार किया था। विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेट्टी का मानना है कि विमान का उड़ान भरने के तुरंत बाद, बिना अधिक ऊंचाई हासिल किए दुर्घटनाग्रस्त होना किसी उड़ान नियंत्रण प्रणाली में खराबी की ओर संकेत कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनके अनुसार, यह संभव है कि रखरखाव के बाद नियंत्रण प्रणाली में कोई त्रुटि रह गई हो, इंजन में गंभीर खराबी आई हो या परीक्षण किए जा रहे किसी उपकरण में विफलता हुई हो।

बीते साल टला था एक बड़ा हादसा : एडवर्ड्स वायुसेना अड्डा एक विशाल रेगिस्तानी सैन्य ठिकाना है, जहां 1947 में चक येगर ने पहली बार ध्वनि की गति को पार किया था। यह अड्डा लॉस एंजिलिस से लगभग 100 मील (161 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब लगभग एक वर्ष पहले जुलाई 2025 में नॉर्थ डकोटा के ऊपर उड़ान भर रहे एक क्षेत्रीय यात्री विमान के पायलट को संभावित टक्कर से बचने के लिए अचानक तेज मोड़ लेना पड़ा था। उस समय उसके उड़ान मार्ग में एक सैन्य बी-52 बमवर्षक विमान आ गया था।

बी-52 बॉम्बर क्यों है खास : बी-52 स्ट्रैटोफोर्टेस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और लंबे समय से सेवा में बने हुए सामरिक बमवर्षक विमानों में से एक है। इसका विकास शीत युद्ध के दौर में किया गया था, लेकिन आधुनिक तकनीकों के समावेश के कारण यह आज भी कई देशों की वायु सेनाओं के लिए अध्ययन और रणनीतिक महत्व का विषय बना हुआ है। यह विमान लंबी दूरी तक बिना रुके उड़ान भरने की क्षमता रखता है, जिससे इसे अंतरमहाद्वीपीय अभियानों में प्रभावी माना जाता है। बी-52 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी भारी हथियार वहन क्षमता है। यह पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के हथियारों को ले जाने में सक्षम है। इसके विशाल पंख और शक्तिशाली इंजन इसे लंबे समय तक हवा में बने रहने की क्षमता प्रदान करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यह हवा में ही ईंधन भरकर अपनी उड़ान अवधि को और बढ़ा सकता है। उन्नत रडार, नेविगेशन प्रणाली और संचार उपकरणों से लैस होने के कारण यह विभिन्न मौसम परिस्थितियों में भी मिशन पूरा करने में सक्षम है।

अमेरिका के साथ समझौते पर बोले ईरान के शीर्ष नेता, राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर को दिया श्रेय, स्पीकर ने बताया ऐतिहासिक जीत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक बड़े समझौते के बाद ईरान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इस समझौते को देश के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ख़ामेनेई ने इस समझौते में 'देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों को शामिल कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो इसे देश के लिए गौरवान्वित करने वाला दस्तावेज़ माना जा सकता है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में सर्वोच्च नेता (सुप्रीम लीडर) का पद संभालने के बाद से मोजतबा ख़ामेनेई सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं और इस समझौते पर अभी तक उनकी ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है। दूसरी ओर, इस पूरी बातचीत में शीर्ष वार्ताकार की भूमिका निभाने वाले ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इसे ईरान की 'अंतिम जीत की ओर एक बड़ा क़दम' करार दिया है। उन्होंने ईरान की जनता के ऐतिहासिक प्रतिरोध (की सराहना करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि जनता के दृढ़ व्यवहार और 'उन ताकतों के ख़िलाफ़ सशस्त्र बलों की बहादुरी, जो इस राष्ट्र का अस्तित्व मिटाना चाहते थे', ने ही ईरान को इस मकाम तक पहुँचाया है।

गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 30 से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के उत्तरी अमहारा क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया है। इस हादसे में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग घायल हैं। ये इलाका संघर्ष से प्रभावित है और हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं में देरी से स्थिति और गंभीर हो गई। बता दें कि ये हादसा सोमवार की सुबह उस समय हुई जब एक खचाखच भरी बस डेसी क्षेत्र से राजधानी अदीस अबाबा की तरफ जा रही थी। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान बस अचानक सड़क से फिसल गई और एक गहरी खाई में जा गिरी।

बचाव कार्य में देरी : हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया में देरी की वजह भी सामने ई है। जिस इलाके में ये हादसा हुआ, वहां बुनियादी ढांचे की भारी कमी है और एम्बुलेंस सेवाओं का भी अभाव है। यही कारण है कि घायलों को निजी वाहनों में अस्पताल ले जाना पड़ा। इस दौरान घायलों की हालत और बिगड़ने की आशंका है।

इथियोपिया में क्यों होते हैं ज्यादा सड़क हादसे : इथियोपिया दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की दर काफी अधिक है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें खराब सड़क ढांचा, वाहनों की जर्जर स्थिति और यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से पालन न होना प्रमुख हैं। देश के कई ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में सड़क नेटवर्क पर्याप्त विकसित नहीं है। संकरी और खराब सड़कों के कारण वाहन अक्सर नियंत्रण खो देते हैं और गहरी खाइयों में गिर जाते हैं। इसके अलावा, गलत तरीके से मोड़ लेना, खतरनाक ओवरटेकिंग करना, वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी न रखना और निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना आम समस्याएं हैं। हादसों की एक बड़ी वजह बसों और ट्रकों की खराब तकनीकी स्थिति भी है। कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों या माल को ढोते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं, सड़कों पर फुटपाथ और जेब्रा क्रॉसिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

'अफगानिस्तान में रोकें महिलाओं पर कार्रवाई', संयुक्त राष्ट्र का तालिबान से आग्रह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को शीघ्र वापस लेने और देश में सक्रिय उन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत फू कोंग ने कहा कि उम्मीद है कि अफगान सरकार मानवाधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक सक्रिय कदम उठाएगी और खुलेपन, समावेशिता तथा जिम्मेदारी की छवि पेश करेगी।

प्रस्ताव के तहत अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन की अवधि 17 जून 2027 तक बढ़ा दी गई है। साथ ही मिशन को बिना किसी भेदभाव के मानवीय सहायता पहुंचाने तथा राष्ट्रीय और स्थानीय प्रशासन को बढ़ावा देने का अधिकार दिया गया है, जिसमें लिंग, धर्म या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव न हो और महिलाओं, अल्पसंख्यकों, युवाओं तथा दिव्यांग व्यक्तियों की पूर्ण, समान, सार्थक और सुरक्षित भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पारित किया गया है जब इस महीने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबान के सख्त ड्रेस कोड के कथित उल्लंघन के आरोप में कम से कम 30 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) के अनुसार, इन गिरफ्तारियों के विरोध में हुए एक दुर्लभ प्रदर्शन को तालिबान पुलिस ने बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया था। इस दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तालिबान 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है, जब अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद उसने सत्ता संभाली थी। इसके बाद से उसने शरीयत की कड़ी व्याख्या लागू की है, जिसके तहत महिलाओं और लड़कियों पर कई कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें प्राथमिक स्तर से आगे की शिक्षा और अनेक नौकरियों पर रोक शामिल है। इन नीतियों का असर अल्पसंख्यक समुदायों पर भी पड़ा है।

प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र मिशन को तालिबान, क्षेत्रीय देशों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संवाद को सुगम बनाने का भी अधिकार दिया गया है। अमेरिका की उप राजदूत जेनिफर लोसेट्टा ने कहा, 'इस राजनीतिक प्रक्रिया की सफलता के लिए तालिबान को कदम उठाने होंगे। उसे आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा, अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करना होगा, बंधक कूटनीति समाप्त करनी होगी और महिलाओं एवं लड़कियों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन बंद करने होंगे।'

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर उन उग्रवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है, जो उसकी सीमा के भीतर घातक हमले करते हैं। हालांकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता है। फरवरी में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के भीतर किए गए हवाई हमलों के जवाब में अफगानिस्तान ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

समझौता ईरान के लिए अमेरिका के साथ खराब हो चुके रिश्तों को सुधारने का मौका : वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हुए उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि इससे तेहरान को वाशिंगटन के साथ अपने 47 साल के नाकाम रिश्तों में एक नई शुरुआत करने का मौका मिला है.

सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि इस शांति समझौते की दो मुख्य उपलब्धियां हैं - यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, और अगर ईरान समझौते में तय शर्तों का पालन करता है, तो उसके लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल होने के रास्ते खुल जाएंगे.

वेंस ने सीबीएस न्यूज से कहा, 'इस समझौते के असल में दो पहलू हैं – एक तरफ, यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे और साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोलता है... यह असल में ईरान की तरफ दोस्ती का हाथ भी बढ़ाता है और कहता है, 'देखिए, अगर आप अपनी जिम्मेदारियां निभाने को तैयार हैं, अगर आप अपने परमाणु कार्यक्रम की असल जांच-पड़ताल की इजाजत देने को तैयार हैं, तो हम दुनिया की अर्थव्यवस्था में आपका फिर से स्वागत करेंगे'.'

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति अमेरिका और ईरान के बीच 47 साल से चले आ रहे नाकाम रिश्ते के अध्याय में नयी शुरुआत करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ईरानी भी समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.'

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ हुआ समझौता 'प्रदर्शन पर आधारित' है. वेंस ने कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता है, तो उसे 300 अरब अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण निधि तक पहुंच मिल जाएगी, लेकिन यह पैसा अमेरिका से नहीं आएगा.

वेंस ने 'सीबीएस मॉर्निंग्स' को निधि के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक ऐसी चीज है, जिसका फायदा उन्हें मिल सकता है, और इसके लिए (खाड़ी सहयोग परिषद) से राशि मिलेगी, बशर्ते वे अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.' वेंस ने कहा, 'हम निश्चित रूप से (खाड़ी सहयोग परिषद) देशों द्वारा ईरान के पुनर्निर्माण में निवेश करने के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद कर दे।

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बेटे को रेप केस में 4 साल की जेल

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं।

अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं। अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी।

ट्रंप की डील पर भड़का इजरायल, रक्षा मंत्री बोले- हम ट्रंप के गुलाम नहीं, अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बनने के बाद इजरायल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। इजरायल के रक्षामंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में हुई डील इजरायल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इजरायल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

इजरायल की तरफ से यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अस्थायी संघर्षविराम पर शुरुआती सहमति बनने के बाद सामने आया। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा।

ट्रंप ने किया ऐलान : ईरान के साथ समझौते होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई। मैं इसके जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल की सप्लाई शुरू होने दो।

पाकिस्तान ने किया स्वागत : ईरान-अमेरिका के बीच समझौत का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वागत किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा, काफी बातचीत के बाद हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है।

'यह केवल 60 दिनों के लिए युद्धविराम' : युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते पर, तेल अवीव स्थित जेरूसलम सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड फॉरेन अफेयर्स के डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर ऑफ कम्युनिकेशंस, सागीव स्टीनबर्ग कहते हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कल ट्वीट किया कि हमारे पास एक शांति समझौता है। लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूं, यह कोई शांति समझौता नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि यह 60 दिनों के लिए युद्धविराम है, क्योंकि जब समझौता अभी तक पब्लिश नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि समझौते की डिटेल जानने के लिए हमें शुक्रवार तक इंतजार करना होगा।

ट्रंप और मेरी राय एक जैसी नहीं: नेतन्याहू : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों और इस डील पर मतभेदों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मैं साझेदार हैं और हम अक्सर कई मुद्दों पर एक-दूसरे से सहमत होते हैं, लेकिन कभी-कभी हमारी राय पूरी तरह एक जैसी नहीं होती। यह बयान उस समय आया है जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि ईरान के मसले पर इजरायल का अपना नजरिया है जो अमेरिकी रुख से अलग हो सकता है।

पीछे नहीं हटेगा इजरायल : नेतन्याहू ने एक बार फिर दोहराया कि इजरायल की सर्वोच्च प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि समझौता हो या न हो, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल ने खुद को विनाश से बचा लिया है, लेकिन उनकी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। इजरायली पीएम के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, इजरायल उन्हें उठाने से पीछे नहीं हटेगा। क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करते हुए नेतन्याहू ने बताया कि इजराइली सेना ने उन महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com